

महात्मा गांधी जयंती आज

दैनिक

राष्ट्रीय



www.rashtriyagarima.com



गरिमा

सुविचार

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, यह केवल कठिन मेहनत से मिलती है।

■ भोपाल, शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 111 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

भोपाल में आदर्श गौ शाला स्थापित करने के कार्य को शीघ्र पूर्ण करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में विभिन्न विभागों की योजनाओं पर अधिकारियों से की वार्ता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं पर चर्चा की। इन विभागों में नगरीय विकास एवं आवास, खनिज, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बैठक में विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति और कार्यों की जानकारी प्राप्त की और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलौई सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नगरीय विकास और आवास विभाग द्वारा प्रदेश के नगरों के साथ ही राजधानी भोपाल के विकास में नए आयाम जोड़े जाएं। ग्वालियर, इंदौर और उज्जैन में बड़ी आदर्श गौशालाओं के संचालन में सफलता मिली है। इसी तरह भोपाल में इस मॉडल पर आदर्श गौ-शाला स्थापित करने के कार्य को गति प्रदान करते हुए अच्छे परिणाम प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि सिंगरौली को आदर्श

पीएम मोदी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए किया आमंत्रित



नई दिल्ली। वही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से आलीएम गेट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मध्यप्रदेश में जारी विकास कार्य, जनकल्याणकारी पहल, उपलब्धियों, निवेश और प्रदेश की प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2027 में मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रित किया। उन्होंने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार किए जा रहे अनुकूल वातावरण,औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में प्रारंभ की गई 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' के संबंध में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को अवगत करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 17 सितंबर से प्रदेश में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी। उन्होंने अभियान के माध्यम से जनभागीदारी,सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न आयोजनों के बारे में अवगत करवाया।

जिला बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और

जाए। नई टाउनशिप विकसित होने से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और सभी वर्ग समाज के प्रतिष्ठित नागरिकों से भी चर्चा की

लाभान्वित होंगे।

पात्रा का स्मित पर ट्वीट न करने को लेकर राहुल गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संजित पात्रा ने स्मित मच्छर की बहादुरी की सराहना करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। पात्रा ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर ट्वीट क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहते, लेकिन राहुल गांधी के किसी मुद्दे पर कुछ करने या न करने के पीछे हमेशा कोई न कोई कारण होता है। भाजपा सांसद ने दावा किया कि राहुल गांधी के ऐसे रुख के पीछे 'तुष्टीकरण' भी एक कारण हो सकता है। पात्रा ने कहा कि उनके अनुसार कई मुद्दों में कहीं न कहीं तुष्टीकरण एक प्रमुख कारक बना रहता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और खबरों में उन्होंने देखा है कि देशभर के लोगों ने स्मित मच्छर के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और उनकी बहादुरी के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। संजित पात्रा ने कहा कि स्मित मच्छर ने करीब 180 से 200 लोगों की जान बचाई। उन्होंने कहा कि हर भारतीय ने अपने-अपने तरीके से उन्हें बधाई दी और उनके लिए प्रार्थना की।

हरियाणा के पानीपत

अदालत में वकीलों के

धरने के बीच खूनी खेल

पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिला अदालत परिसर में चल रहे अधिकाओं के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उस वक सप्तसनी फैल गई, जब दो बेखौफ युवकों ने एक वकील पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले अधिवक्ता पर अवैध पिस्टल तानी और फिर चाकु निकालकर उनकी गर्दन पर ताबड़तोड़ कई बार कर दिए। दिनदहाड़े और अदालत परिसर जैसी अति-सुरक्षित जगह पर हुए इस खूनी हमले से वकीलों और आम लोगों में भारी अफरा-तफरी मच गई। लहलुहान हालत में अधिवक्ता को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के वक घायल अधिवक्ता के पिता और भाई भी मौके पर मौजूद थे। उन्होंने जान पर खेलकर हमलावरों का मुकाबला किया और किसी तरह अधिवक्ता को उनके चंगुल से छुड़ाया। वारदात को अंजाम देकर दोनों हमलावर भीड़ का फायदा उठाते हुए भागने लगे। हालांकि, वहां प्रदर्शन कर रहे अन्य अधिवक्ताओं ने हिम्मत दिखाते हुए पीछा किया और एक हमलावर को मौके पर ही धर दबोचा, जबकि उसका दूसरा साथी भीड़ से बचकर फरार होने में कामयाब रहा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पकड़े गए आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया।

केंद्र सरकार भविष्य की सोच के साथ काम कर रही है : नितिन गडकरी

केंद्रीय मंत्री ने 'बिहार इन्वेस्टर समिट 2026 के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लेकर कहा कि हमें यह समझना होगा कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने का फैसला खेती को ऊर्जा और बिजली के क्षेत्रों की ओर विविधता देने के मकसद से लिया गया था। उन्होंने कहा कि हमारे किसान अब सिर्फ अन्नदाता (भाजन पैदा करने वाले) नहीं रहेंगे, बल्कि ऊर्जादाता (ऊर्जा पैदा करने वाले) भी बनेंगे। गडकरी ने गुरुवार को पटना में आयोजित 'बिहार इन्वेस्टर समिट 2026-भारत का उभरता हुआ निवेश डेस्टिनेशन' के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से बदल रहा है। राज्य में उद्योग, बिजली और पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने बिहार को ज्ञान की भरती बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य निश्चित रूप से नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। बिहार के विकास में केंद्र सरकार



हरसंभव सहयोग करेगी। इथेनॉल को लेकर पूछे गए सवाल पर गडकरी ने कहा कि वर्ष 2022 से करीब चार करोड़ चार-पहिया और 20 करोड़ दो-पहिया वाहन इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं किसी को भी चुनौती देता हूँ कि वह ऐसी कोई शिकायत लेकर आए कि उसकी गाड़ी को इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की वजह तैयार है। राज्य में उद्योगों के लिए सड़क, बिजली, पानी और अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं को विकसित किया जा रहा है। उन्होंने उद्योगपतियों और निवेशकों से बिहार में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को हरसंभव सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

पश्चिम बंगाल में पाठ्यक्रम में श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर नया अध्याय जुड़ेगा

सिंगरू भूमि आंदोलन और कन्याश्री योजना को पाठ्यक्रम से हटाया जाएगा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने जनवरी 2027 से लागू होने वाले संशोधित स्कूली पाठ्यक्रम में बड़े पैमाने पर बदलाव करने का निर्णय लिया है। इस पाठ्यक्रम पुनर्गठन के तहत स्कूली किताबों में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, उनके योगदान और विरासत को प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। वहीं, राज्य के इतिहास और योजनाओं से जुड़े कुछ चर्चित अध्यायों, जैसे सिंगरू भूमि आंदोलन और कन्याश्री योजना को पाठ्यक्रम से हटा दिया जाएगा। राज्य शिक्षा मंत्री दीपक बर्मन ने स्पष्ट किया है कि पाठ्यक्रम समिति इस पूरी प्रक्रिया की देखरेख कर रही है और उनके पास अंतिम मसौदा आने के बाद इसे मंजूरी दी जाएगी। उच्च-स्तरीय सिलेबस-कम-करिकुलम कमेटी के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ.देबाशीष चटर्जी ने बताया कि 1951 में भारतीय जनसंघ (वर्तमान

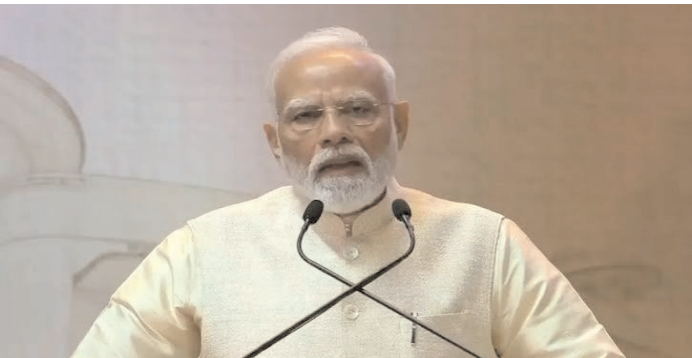


भाजपा की पूर्ववर्ती संस्था) की स्थापना करने वाले प्रमुख बंगाली नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संदर्भों को सभी कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों की शुरुआत में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया, सभी किताबों की शुरुआत में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर एक लेख होगा ताकि छात्र उनके बारे में जान सकें। यह हर कक्षा की किताबों में अनिवार्य रूप से होगा। इस पहल से पहले राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने सभी राज्य-सहायता प्राप्त स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को निर्देश जारी किया था कि वे अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों में डॉ. मुखर्जी के योगदान को शामिल करें और युवा पीढ़ी को उनसे परिचित कराने के लिए आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन करें।

यूपीएससी चयन प्रक्रिया में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बदलाव जरूरी : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने यूपीएससी के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत मंडपम में शताब्दी समारोह को किया संबोधित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की चयन प्रक्रिया को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ढालने पर जोर देते हुए कहा कि भर्ती परीक्षा में केवल उम्मीदवार का ज्ञान ही नहीं बल्कि यह भी परखा जाना चाहिए कि वह सिविल सेवा में क्यों आना चाहता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए 'नेशन फर्स्ट' और 'सिटीजन फर्स्ट' चयन में केवल कसौटी होनी चाहिए। यूपीएससी के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत मंडपम में आयोजित शताब्दी समारोह को



संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2047 का भारत आज के भारत से बहुत अलग होगा। भारत अधिक शहरी होगा, गांव और शहरों के बीच अंतर कम होगा तथा युवाओं की आकांक्षाएं और

अपेक्षाएं कहीं अधिक बड़ी होंगी। ऐसे में सार्वजनिक सेवाओं को भी आज की त्वरित सेवा वाली दुनिया की गति के अनुरूप काम करना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता हजारों

दस्तावेजों को कुछ ही क्षणों में संसाधित कर सकती है और सरकार के पास वास्तविक समय का आंकड़ा उपलब्ध है तो नागरिक भी तेजी से समाधान चाहता है। इसलिए चयन के मानकों और भर्ती प्रक्रिया को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं को सार्वजनिक सेवा में लाना जरूरी है जो सरकारी पद से नहीं बल्कि जनसेवा से आकर्षित हों। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत की कार्य संस्कृति का मूल सिद्धांत 'प्रो पीपल, प्रोएक्टिव गुड गवर्नेंस' होना चाहिए। सरकार को नागरिकों के हितों से सर्वोपरि रखते हुए काम करना चाहिए और समस्या सामने आने का इंतजार करने के बजाय उसका पहले से अनुमान

लगाकर समाधान तैयार करना चाहिए। उन्होंने 'नागरिक देवो भव' का उल्लेख करते हुए कहा कि नागरिक की सेवा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में सिविल सेवकों के सामने सूचना युद्ध,डीपफेक,एल्गोरिद्मिक पक्षपात और जलवायु न्याय जैसे नए और जटिल सवाल होंगे। इसलिए चयन प्रक्रिया में जटिल समस्याओं को सुलझाने की क्षमता और दूरदृष्टि को परखने को प्राथमिकता देनी होगी। प्रधानमंत्री ने परीक्षा प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा को केवल एक आयोजन नहीं समझना चाहिए क्योंकि यह युवाओं के भविष्य और उनके जीवन से जुड़ी है। परीक्षा में कुछ महीनों की देरी से कोचिंग

फीस, किराये और परिवहन का खर्च बढ़ता है और परिवारों पर बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को 'ट्राइम सर्वेंटिटी' के सिद्धांत को अपनाना चाहिए और मानकों से समझौता किए बिना परीक्षा चक्र को छोटा करना चाहिए। मोदी ने कहा कि यूपीएससी ने परीक्षा चक्र में करीब 100 दिन की कमी की है। प्रधानमंत्री ने यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों के बीच बेहतर समन्वय तथा श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को साझा करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सम्मेलन को अधिक उत्पादक बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर की बेहतर कार्यप्रणालियों का अध्ययन किया जाना चाहिए तथा प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रक्रियाओं की दक्षता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

भारतीय मूल के पायलट स्मित मच्छार पूरी दुनिया के लिए बन गए हीरो

आसमान में हीरो बने कैप्टन स्मित मच्छार, राष्ट्रपति मुर्मू ने किया बहादुरी को सलाम



नई दिल्ली। आसमान में एक बड़ी त्रासदी को टालने वाले कैप्टन स्मित मच्छार आज पूरी दुनिया के लिए हीरो बन गए हैं। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद जिस अदम्य साहस और सूझबूझ के साथ उन्होंने 174 यात्रियों की जान बचाई, उसकी चर्चा आज हर तरफ हो रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से लेकर केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तक ने कैप्टन की वीरता को सलाम किया है और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। दरअसल, फ्लाइट के दौरान कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए, बावजूद इसके उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। बताया जा रहा है कि हमले के बाद उनका विमान अचानक 14,000 फीट नीचे गिर गया था। ऐसे मुश्किल और जानलेवा हालात में भी कैप्टन ने विमान पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया और एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, देश को कैप्टन स्मित मच्छार पर गर्व है। उनकी वीरता और मुश्किल समय में सूझ-बूझ ने हम सभी का दिल जीत लिया है। गंभीर खतरों के बीच बुरी तरह घायल होने के बावजूद, वे दूसरों की जान बचाने के लिए डटे रहे। उनकी बहादुरी और तुरंत कार्रवाई ने एक बड़ी त्रासदी को टालने और कई कीमती जानें बचाने में मदद की। मैं उनके अदम्य साहस को सलाम करती हूँ। मैं उनके जल्द ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता

हूँ। वहाँ, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूरा देश कैप्टन स्मित मच्छरा के साथ खड़ा है और उनके असाधारण साहस पर गर्व करता है। अपनी जान जोखिम में डालकर, उन्होंने कर्तव्य और सेवा की सर्वोच्च परंपराओं का पालन किया और विमान में सवार सभी लोगों की जान बचाने में मदद की। उनका साहस, संयम और कर्तव्य-बोध देश के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। हम उनके जल्द और पूरी तरह से ठीक होने की कामना करते हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कैप्टन को सच्चा हीरो बताया। उन्होंने लिखा, कैप्टन स्मित मच्छार, हर मायने में एक सच्चे हीरो। जबरदस्त हमले का सामना करते हुए, गंभीर रूप से घायल होने और अपने विमान के अचानक 14,000 फीट नीचे गिरने के बावजूद, उन्होंने अदम्य साहस का साथ मुकाबला किया, विमान पर फिर से नियंत्रण हासिल किया और 174 लोगों की जान को निश्चित तबাহी से बचाया। जानलेवा खतरों के बीच उनका साहस एक भारतीय पायलट के बेहतरीन जज्बे को दर्शाता है।

विहिप नेता विकास प्रभाकर

मर्डर केस में यूएई से

आरोपी गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। जांच एजेंसी (एनआईए) ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) नेता विकास प्रभाकर की 'टारगेटेड किलिंग' के सिलसिले में हरविंदर कुमार उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया है। यूएई में रहने वाला आरोपित अपराधियों को संसाधन और वित्तीय मदद मुहैया कराता था और एनआईए को उसकी तलाश थी। एनआईए की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार,हरविंदर कुमार को कड़े राजनयिक प्रयासों के बाद आज (1 अक्टूबर) यूएई से भारत लाया गया है। भारत आने के बाद एनआईए ने उसे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया। उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए विशेष एनआईए टीम में पेश किया गया। यह मामला विकास प्रभाकर की सोची-समझी योजना के तहत की गई हत्या से जुड़ा है।

आदिवासी परिवारों को उनका वन अधिकार पट्टा मिलना चाहिए : राहुल



मध्यप्रदेश के बालाघाट में मृत बच्चों के परिवारों से मिले कांग्रेस नेता राहुल गांधी

बालाघाट, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बिरसा ब्लॉक के जंगला गांव पहुंचकर उन बैगा आदिवासियों से मुलाकात की, जिनके बच्चे बीमारी से जान गंवा चुके हैं। करीब एक घंटे की मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि आदिवासी देश के पहले मौलिक हैं,उन्हें उनका हक मिलना चाहिए,लेकिन एमपी में ऐसा नहीं हो रहा है। राहुल गांधी ने बालाघाट के जंगला गांव में बैगा परिवारों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यहां बहुत सारे बच्चों की मौत हुई है। कुपोषण और बीमारी के कारण मौत हुई है। इसका समय पर इलाज न मिलना सरकार का फेलियर है। सरकार ने कोई सपोर्ट नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि आधे से ज्यादा लोगों को मुआवजा तक नहीं दिया गया। मैं सरकार से कहना चाहता हूँ कि वह अपनी जिम्मेदारी पूरी करे। उन्होंने कहा कि आदिवासी परिवारों को उनका वन अधिकार पट्टा मिलना चाहिए। मन्रेगा के तहत उन्हें रोजगार और बच्चों को शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। सरकार कहती है कि 24 घंटे विकास हो रहा है, लेकिन 24 घंटे भ्रष्टाचार हो रहा है। लेकिन जब

हमारे आदिवासी भाइयों को मदद की जरूरत है, तब उन्हें उनका हक नहीं मिल रहा है। केंद्र और राज्य की सरकार ने बेसहारा छोड़ दिया है। बीमारी से निपटने में राज्य सरकार पूरी तरह फेल रही। वे यह मुद्दा लोकसभा में उठाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि एक और बात है। अगर किसी महिला को एक सरकारी योजना के तहत आर्थिक सहायता मिलती है, तो लाड़ली बहना योजना का पैसा काट लिया जाता है। अगर सरकार दो योजनाएं चला रही है, तो लोगों को दोनों योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। हमारी सरकार आने पर आदिवासी समुदाय को हरसंभव मदद की जाएगी। वन अधिकार कानून के तहत उन्हें उनका अधिकार दिलाया जाएगा और शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हम उन्हें वनवासी नहीं,बल्कि आदिवासी कहते हैं। वे इस देश के मूल निवासी हैं। इसलिए उन्हें देश में उनका उचित स्थान, अधिकार और शिक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है, जैसे आदिवासियों को भारत के बीचों-बीच अकेला छोड़ दिया गया हो, मानो उनके लिए न तो केंद्र सरकार है और न ही मध्य प्रदेश सरकार। मन्रेगा ठप है, वन अधिकार कानून लागू नहीं हो रहा और आदिवासियों को जमीन के पट्टे नहीं मिल रहे हैं। बच्चों की मौत के बावजूद पीड़ित परिवारों को पूरा मुआवजा तक नहीं मिला है। आधे लोग अब भी इससे वंचित हैं।

जल-जन-सेवा संकल्प यात्राओं का जिले में जगह-जगह स्वागत, सुवासरा में हुआ युवा संवाद



मंदसौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर-वाराणसी जल, जन एवं सेवा संकल्प यात्राओं का गुरुवार को मंदसौर जिले में प्रवेश हुआ। यात्रा क्रमांक-1 ने सीतामऊ क्षेत्र के रुणीजा तथा यात्रा क्रमांक-8 ने मौरिया खेड़ी से जिले में प्रवेश किया। दोनों यात्राओं का ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा, ढोल-ढमकों, आतिशबाजी और रंगोली बनाकर स्वागत किया। यात्रा क्रमांक-1 के रुणीजा पहुंचने पर यात्रियों का मालवी परंपरा के अनुसार साफा बांधकर सम्मान किया गया। उन्हें दुपट्टा एवं प्राचीन द्वारकाधीश धाम की तस्वीर भेंट की गई। इस दौरान यात्रियों ने पौधारोपण भी किया। स्वागत कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, विधायक चंद्र सिंह

सिसोदिया, विधायक हरदीप सिंह डंग, पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ एवं पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। यात्रा के साथ आए प्रेमजी ने यात्रा के उद्देश्य और गतिविधियों की जानकारी दी। रुणीजा के बाद घसई में भी यात्रा का स्वागत किया गया, जहां से यात्रा सुवासरा की ओर रवाना हुई। इसी तरह यात्रा क्रमांक-8 का मौरिया खेड़ी में सांसद बंशीलाल गुर्जर सहित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने स्वागत किया। इसके बाद यात्रा ढंडेश और लदुना पहुंची, जहां भी ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यात्रियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया। यात्रा के सीतामऊ पहुंचने पर युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ तथा रक्त सेवा पोटल का शुभारंभ किया गया। इस दौरान विधायक हरदीप सिंह डंग, नगर परिषद अध्यक्ष

पिछू में मंदसौर ब्लॉक ने मारी बाजी, सीतामऊ दूसरे और गरोट तीसरे स्थान पर

द्वितीय जिला स्तरीय सितोलिया प्रतियोगिता का समापन, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

मंदसौर। पारंपरिक खेल पिछू (सितोलिया) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित द्वितीय जिला स्तरीय पिछू प्रतियोगिता का समापन महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय में हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न ब्लॉकों से पहुंचे खिलाड़ियों ने खेल कौशल और टीम भावना का प्रदर्शन किया। मुकाबलों में मंदसौर ब्लॉक ने प्रथम, सीतामऊ ने द्वितीय और गरोट ब्लॉक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री शिवराज सिंह



राणा थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएसपी जितेंद्र भास्कर ने की। भाजपा जिला महामंत्री विजय सुराणा, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, जिला पिछू एसोसिएशन अध्यक्ष गौरव

अग्रवाल और विद्यालय के प्राचार्य राजेश रत्नावत विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि पिछू जैसे पारंपरिक खेल बच्चों और युवाओं में खेल भावना, अंशुसासन, सहयोग की भावना और शारीरिक दक्षता

खाली थालियां बजाकर सफाई कर्मचारियों ने जताया विरोध



मंदसौर। नगर पालिका परिषद में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की 15 सूत्रीय मांगों के निराकरण में देरी को लेकर आंदोलन लगातार जारी है। गांधी चौराहे पर चल रही अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल के छठे दिन गुरुवार को कर्मचारियों ने खाली थालियां बजाकर अनोखे तरीके से विरोध जताया। कर्मचारियों ने कहा कि मांगों के समाधान के अभाव में उनके घरों के बर्तन खाली पड़े हैं, इसलिए प्रशासन उनकी मांगों का जल्द निराकरण करे। राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना मार्शल कौम, नगर पालिका सफाई कर्मचारी एवं समस्त कर्मचारी संयुक्त मोर्चा संघ के बैनर तले किए गए प्रदर्शन में कर्मचारियों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। उनका कहना था कि शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद सफाई कर्मचारियों की मांगों की लंबे समय से अनदेखी

की जा रही है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में दैनिक वेतनभोगियों का नियमितीकरण, ठेका एवं आउटसोर्सिंग व्यवस्था समाप्त करना, समय पर वेतन भुगतान तथा 100 पुरुष और 100 महिला सफाई कर्मचारियों की भर्ती करना शामिल है। कर्मचारियों ने कहा कि मांगों पर ठोस और लिखित निर्णय होने तक आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन को अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा, मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच तथा मप्र दैनिक वेतन भोगी कार्यभारित गैंगमैन एकता यूनियन (सीटू) सहित विभिन्न संगठनों का समर्थन मिला है। प्रदर्शन में राजाराम तंवर, मुकेश चनाल, विनोद खैरालिया, प्रकाश तंवर, बालूसिंग, राजेश परमार, हेमा कन्डोर और विक्रम तंवर सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

कहानी बदलाव की : प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीब परिवारों का पक्के मकान का सपना हो रहा साकार

पक्का आवास मिलने से परिवारों के जीवन में आई खुशहाली



प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास का लाभ प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से पक्के मकान की सुविधा मिलने से उनके परिवार को काफी राहत मिली है तथा जीवन में खुशहाली आई है। हितग्राही सुरेश रमेश बाड़वुदे और जय गढ़वाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों का प्रांतीय महासम्मेलन 4 अक्टूबर को गुना में स्थापना दिवस पर प्रदेशभर से जुटेंगे पुलिस पेंशनर्स, कई सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी भी होंगे शामिल

मंदसौर। पुलिस पेंशनर्स संघ मध्यप्रदेश का चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह एवं प्रांतीय महासम्मेलन 4 अक्टूबर को गुना में आयोजित किया जाएगा। गुना पुलिस पेंशनर्स संघ के तत्वावधान में होने वाले इस सम्मेलन में प्रदेशभर के सेवानिवृत्त पुलिसकर्मों शामिल होंगे। संघ के संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष एम.पी. सिंह परिहार तथा प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष एस.पी.एस. चौहान ने बताया कि सम्मेलन में नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, देवास, आगर, इंदौर, धार, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बालाघाट, मंडला, सिवनी, सागर, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह, निवाड़ी, दतिया, भिंड, मुरैना,

ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, भोपाल, शहडोल और अशोकनगर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों पुलिस पेंशनर्स पहुंचेंगे। महासम्मेलन में भारतीय पुलिस सेवा एवं राज्य पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी भी सहभागिता करेंगे। गुना के पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आयोजन के लिए गुना पुलिस पेंशनर्स संघ की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन संजोग गाउँन, एबी रोड गुना में आयोजित होगा। पुलिस पेंशनर्स संघ मध्यप्रदेश एवं गुना संघ ने प्रदेशभर के पुलिस पेंशनर्स से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में शामिल होने का आग्रह किया है।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

क्लासीफाईड विज्ञापन दरें

150/- रुपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक

स्क्रीम

2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन

राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान

सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703

मात्र 1500/- रुपये में पूरे एक माह चलानें

गंगा नदी पर बने विक्रमशिला सेतु पर मछाओंपरेशन,बेली ब्रिज हटेगा
भागलपुर। बिहार में भागलपुर जिले में गंगा नदी पर बने विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त पाए गए चारों सैज से अस्थाई बेली ब्रिज को हटाने का काम युद्धस्तर पर शुरू हो गया है। इस काम को अंजाम देने के लिए देश की सबसे ग्रेटेस्टेन्ट निर्माण एजेंसी बीआरओ की एक्सपर्ट टीम को सिविकम से बुलाया गया है। भारी-भरकम और आधुनिक जेनो की मदद से बेली ब्रिज के लोहे के भारी गर्डर को एक-एक कर सुरक्षित तरीके से काटा और हटाया जा रहा है।

दैनिक साष्ट्रीय गरिमा



मोपाल, शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026

www.rashtriyagarima.com

प्रधानमंत्री मोदी का सुभाषितम में निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिदिन की तरह आज सुबह एक्स हेल्ल पर सुभाषितम् के रूप में महान कवि मर्तुंहर के गद्य नीतिशतकम् का एक श्लोक साझा किया। प्रधानमंत्री ने इस श्लोक का उद्धरण देते हुए व्यक्तियों से निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान किया। यह श्लोक है, रत्नैकवस्त्रैस्तुषुनं देवा न भेदिते नीतिवेषा भीतिम्। सुधां दिना न प्रयस्यमान न निश्चितायादिरन्तिरः धीराः। प्रधानमंत्री की प्तिर में इसका अर्थ बताया गया है।

महंत अवैद्यनाथ ने सामाजिक समता से हिंदू समाज को किया एकजुट : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री ने महंत अवैद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम को किया संबोधित

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हिंदू समाज की ताकत उसकी जीवन्तता में है। उसमें अपनी विसंगतियों और विकृतियों के परिमार्जन की सामर्थ्य है। महंत दिग्विजयनाथ हिंदू समाज की एकता के लिए प्रचंड हिंदुत्व के वेग को आगे बढ़ाने के पक्षधर थे तो महंत अवैद्यनाथ ने बिखरी हिंदू ताकत को सामाजिक समता के आधार पर एकजुट करने के लिए जीवनभर प्रयास किया। सहभोज इसी अभियान का हिस्सा था। मुख्यमंत्री योगी युगपुत्र ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की



57वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की

12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्री गोरखनाथ

मंदिर में आयोजित 'सप्त दिवसीय पुण्यतिथि समारोह' के अंतर्गत 'राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की पावन पुण्यतिथि' विषयक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने दोनों ब्रह्मलीन संतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ के नेतृत्व में अयोध्या में रामलला का प्रकटीकरण हुआ। बाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सानिध्य में विश्व हिंदू परिषद ने राष्ट्रीय राम जन्मभूमि मुक्ति समिति बनाई तो महंत अवैद्यनाथ ने उसका नेतृत्व संभाला। संतों को साथ लेकर उन्होंने राम जन्मभूमि मुक्ति के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने इसे गुरु परंपरा का विस्तार बताते हुए कहा कि समय, समाज और राष्ट्र की आवश्यकता के अनुरूप

विचारों को आगे बढ़ाकर लोकोपयोगी बनाना महापुरुषों का गुण है। गोरक्षपीठ इसी चिंतन को आगे बढ़ाती रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि भारतीयता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थाएं महंत दिग्विजयनाथ की सोच थीं। महंत अवैद्यनाथ ने शिक्षा के विस्तार के साथ उसे स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता से जोड़ने पर जोर दिया। बालिकाओं को पढ़ाई के साथ सिलाई-कढ़ाई जैसे कौशल सिखाने की भी उनकी चिंता थी। खेल प्रतिभाओं के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था की गई। पूर्वी उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए 1977 में प्रताप आश्रम और बाद में अन्य छात्रावास बने। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 23 से 29 सितंबर तक श्रीमद्भगवत महापुराण ज्ञान-यज्ञ चला। इसके

साथ देश,काल और समाज को प्रभावित करने वाले समसामयिक विषयों पर वैचारिक संगोष्ठियां हुईं। देश के अलग-अलग हिस्सों से संत और विद्वान इसमें शामिल हुए। उन्होंने स्थिरता को जीवन में सिद्धि का सबसे बड़ा मंत्र बताया और कहा कि जिन महापुरुषों की पूजा और गुणगान करते हैं, उनके गुणों को जीवन में उतारने का भी प्रयास होना चाहिए। राजस्थान के विधायक महंत बालकनाथ ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवैद्यनाथ ने नाथ संप्रदाय और गोरक्षपीठ की पहचान देशभर में स्थापित की। मुख्यमंत्री योगी इस परंपरा को प्रखरता से आगे बढ़ा रहे हैं। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश के लोग उन्हें फिर मुख्यमंत्री बनाएंगे।

कांग्रेस को नीतीश कुमार को गठबंधन से बाहर नहीं जाने देना चाहिए था : दिग्विजय

नीतीश कुमार को लेकर सीडब्ल्यूसी बैठक में सोनिया-दिग्विजय की अलग-अलग राय

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की गत दिवस हुई बैठक में जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार के विपक्षी 'ईंडिया' गठबंधन से अलग होने को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद सामने आए। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस को नीतीश कुमार को गठबंधन से बाहर नहीं जाने देना चाहिए था। वहीं, सोनिया गांधी ने इस राय से असहमति जताते हुए कहा कि नीतीश लंबे समय से गठबंधन से अलग होने का रास्ता तलाश रहे थे। बैठक में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भी पार्टी की रणनीति पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, दिग्विजय सिंह ने बैठक में कहा कि यदि नीतीश कुमार गठबंधन में बने रहते तो राजनीतिक परिस्थितियां अलग हो सकती थीं। उन्होंने 2023 में नीतीश को विपक्षी गठबंधन का संयोजक बनाने की उनकी



इच्छा का भी उल्लेख किया। हालांकि, बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य नेताओं ने इस आकलन से असहमति जताई। रिपोर्टों के अनुसार, खरगे ने कहा कि नीतीश उस समय बिहार की राजनीति में बने रहने की बात कह चुके थे। दिग्विजय सिंह की टिप्पणी पर सोनिया गांधी ने अलग राय रखी। उनके अनुसार, नीतीश कुमार लगातार विपक्षी गठबंधन से बाहर निकलने का अवसर तलाश रहे थे। इस मुद्दे पर बैठक में नेताओं के बीच मतभेद सामने आने की बात

कही गई है। नीतीश कुमार बाद में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट गए थे। बैठक का प्रमुख मुद्दा निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस की रणनीति रहा। कांग्रेस कार्य समिति ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की। ये मांगें कांग्रेस द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया में कथित

अनियमितताओं और 'वोट चोरी' के आरोपों के संदर्भ में की गई हैं। कांग्रेस के प्रस्ताव में आरोप लगाया गया कि निर्वाचन प्रक्रिया में गंभीर हस्तक्षेप हुआ है और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री की ओर से काम किया। हालांकि, ये कांग्रेस द्वारा लगाए गए राजनीतिक आरोप हैं। निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार की ओर से इन आरोपों पर अलग-अलग पक्ष सामने आना इस विवाद के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। कांग्रेस कार्य समिति ने विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को तत्काल रोकने और मतदाता सूची से हटाए गए करीब 13.3 करोड़ नामों को बहाल करने की मांग भी की। पार्टी ने चुनावी मतदाता सूची में किए गए बड़े बदलावों से संबंधित पूरा आंकड़ा सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। बैठक में राहुल गांधी ने मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर पार्टी के विरोध को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, उन्होंने कहा कि पार्टी को इस मुद्दे पर विरोध और प्रतिरोध से पीछे नहीं हटना चाहिए।

चेन्नई में सबसे अच्छा कचरा अलग करने वालों को मिलेगा अब इनाम

ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन नगर निगम का विशेष अभियान फिर से हुआ शुरू

चेन्नई। ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जीसीसी) गुरुवार से शहर के दक्षिणी क्षेत्र में अपना 40 दिन का घरेलू कचरा अलगाव जागरूकता अभियान फिर से शुरू करेगा। अधिकारियों ने बताया कि जिन घरों को 'क्लेक्शन बैग' मिले हैं, वहां लोगों की भागीदारी में सुधार देखा गया है। इस पहल का नाम 'कचरे को अलग करें-कल को बचाएं' रखा गया है। इसे 22 अगस्त को शुरू किया गया था, लेकिन लक्षित घरों में सुखे कचरे के बैग और मॉनिटरिंग स्टिकर के वितरण को पूरा करने के लिए इसे रोक दिया गया था। 28 सितंबर तक कार्यक्रम के लिए पहचाने गए 50,000 घरों में से 45,000 घरों तक सामग्री पहुंच चुकी है। अधिकारियों ने कहा कि बाकी वितरण जल्द ही पूरा कर लिया



जाएगा,जिसके बाद औपचारिक रूप से 40 दिन का चैलेंज शुरू होगा। अभियान के अंत में सबसे अच्छी तरह से कचरा अलग करने वाले परिवारों को पुरस्कार दिया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, बैग मिलने वाले घरों में कचरा अलग करने की दर 35 प्रतिशत से बढ़कर 64 प्रतिशत हो गई है। इस अभियान का उद्देश्य निवासियों को यह समझाना है कि कचरा संग्रह कर्मचारियों को सौंपने से पहले बायोडिग्रेडेबल,नॉन-बायोडिग्रेडेबल,सैनटरी

और खतरनाक कचरे को कैसे अलग किया जाए। अधिकारियों ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 में चारों कचरा श्रेणियों के अलग-अलग निपटान की आवश्यकता है, इसलिए इस पहल में घरों की भागीदारी सबसे अहम है। अर्डबकक्रम के निवासियों ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के रोजाना दौरे और याद दिलाने से उन्हें कचरे को चार श्रेणियों में अलग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। कुछ घर पहले से ही दो साल से अधिक समय से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग दे रहे थे। हालांकि, निगम के कुछ वार्डों के निवासियों ने बताया कि कुछ कचरा संग्रह वाहनों पर सैनटरी कचरे के लिए अलग लाल डिब्बे नहीं हैं। फिलहाल कर्मचारी ऐसी वस्तुओं को प्लास्टिक कवर या काले डिब्बे में अलग से इकट्ठा करते हैं और घरों के बाहर लगी मॉनिटरिंग शीट पर अनुपालन दर्ज करते हैं।

मुंबई मेट्रो स्टेशन पर 'थूकदान' देख भड़के लोग, छिड़ गया भारी विवाद

मुंबई। मुंबई मेट्रो के एक स्टेशन पर लगाए गए अनोखे 'थूकदान'की तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद भारी बहस छिड़ गई है। मेट्रो परिसर में जहां पान-गुच्छ खाकर गंदगी फैलाने और थूकने पर सख्त पाबंदी के साथ 500 के जुर्माने का नियम लागू है,वहीं इस तरह के थूकदान लगाए जाने से यात्री और आम नागरिक हैरान हैं। लोग मेट्रो प्रशासन के इस कदम पर सवाल उठा रहे हैं कि एक तरफ थूकने पर आर्थिक दंड का प्रावधान है, तो दूसरी तरफ ऐसा इंतजाम करके क्या प्रशासन इस अवांछित आदत को बढ़ावा दे रहा है। इस पूरे विवाद की शुरुआत सामाजिक कार्यकर्ता जोरू भाथेना द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शेयर की गई एक तस्वीर के बाद हुई। जानकारी के अनुसार, यह खास थूकदान 'ईजीस्पिट' नामक कंपनी द्वारा तैयार किया गया है। यह डस्टबिन पूरी तरह टच-फ्री यानी बिना हाथ लगाए सेंसर से खुलता है और इसमें 10 सेकंड के भीतर वायस व बैकट्टीरिया को नष्ट करने की तकनीक होने का दावा किया गया है। हालांकि, इस डिब्बे पर बाकायदा मुंबई मेट्रो का आधिकारिक लोगो लगा होने और उस पर 'जिम्मेदार बनें' लिखा होने के कारण लोगों का गुस्सा और ज्यादा भड़क गया है।

सारण में तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद कई इलाके बाढ़ की चपेट में



बिहार के छपरा और सारण जिले में हाइवे तक पहुंचा तटबंध का पानी

छपरा। बिहार के सारण जिले में तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। मकरे प्रखंड में तटबंध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी फैल गया है। इससे मकरे प्रखंड की सभी पंचायतों और अमनौर प्रखंड की कुछ पंचायतें प्रभावित हुई हैं। पानी का तेज बहाव परसा प्रखंड की ओर भी हो रहा है। वहीं, बाढ़ का पानी कुछ स्थानों पर एनएच-722 पर चढ़ जाने से आवागमन और संपर्कता प्रभावित हुई है। जिला प्रशासन के अनुसार, बुधवार की शाम तक जिले की 18 पंचायतों के 48 गांव बाढ़ से प्रभावित थे। 48 गांव बाढ़ से 24,725 और लगभग 4,220 परिवार

हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरीय पुलिस अधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि मकरे में तटबंध टूटने के बाद पानी तेजी से फैल रहा है। प्रभावित पंचायतों में नावें लगाई गई हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि कल रात से ही प्रशासन की टीमों राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ की दो टीमों और एसडीआरएफ की एक टीम का लगाया गया है। इसके अलावा एसडीआरएफ की करीब 40

सदस्यों वाली एक अतिरिक्त टीम भी राहत एवं बचाव कार्य में लगाई गई है। पानापुर प्रखंड में भी एक स्थान पर तटबंध टूटने से तेजी से पानी फैल रहा है। यहां लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए एसडीआरएफ की दो टीमें लगाई गई हैं। प्रशासन के मुताबिक, प्रभावित क्षेत्रों में 33 नावें और एक बोट एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। पांच चिकित्सा शिविर संचालित किए जा रहे हैं। पशु चिकित्सा के लिए भी शिविर की व्यवस्था की गई है। एक राहत केंद्र में करीब 50 लोगों के रहने की व्यवस्था है। बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों में सामुदायिक रसोई शुरू की गई हैं। बुधवार को 14 सामुदायिक रसोई के माध्यम से करीब 5,000 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई। पानापुर में दो, तरैया में तीन,अमनौर में एक, मकरे में पांच और परसा में तीन सामुदायिक रसोई संचालित हैं। प्रशासन ने आवश्यकता के अनुसार पंचायत स्तर पर भी सामुदायिक रसोई बढ़ाने की वैयारी की है। मकरे में ज़रूरतमंद परिवारों के बीच 950 पॉलिथीन शीट का वितरण किया जा चुका है।

BURGO
CONSTRUCTION

BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

24/7 SERVICE

CALL NOW

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM

सम्पादकीय

बुनियाद हवाई उम्मीदें

स्टार्ट–अप रिसर्च फर्म ट्रैकसन के मुताबिक एआई में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रख अमेरिका की ओर मुड़ा। नतीजतन, कम–से–कम 10 भारतीय स्टार्ट–अप्स अपना यूनिर्कार्न का दर्जा गंवा चुके हैं। भारत में कम से कम 10 स्टार्ट–अप्स 2024 के बाद से अपना यूनिर्कार्न दर्जा गंवा चुके हैं। यूनिर्कार्न उन नई टेक कंपनियों को कहा जाता है, जिनका बाजार मूल्य एक बिलियन डॉलर से अधिक हो जाता है। कोरोना काल में भारतीय स्टार्ट–अप्स विदेशी निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बने। नतीजतन, 2020–21 के बाद से तकरीबन 100 भारतीय स्टार्ट–अप्स को यूनिर्कार्न का दर्जा मिला। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ‘स्टार्ट–अप इंडिया’ योजना की कामयाबी बताया गया। लेकिन 2024 से कहानी पलटनी शुरू हो गई। स्टार्ट–अप रिसर्च एवं एनालिटिक्स फर्म ट्रैकसन के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रख अमेरिका की ओर मुड़ा। उधर अमेरिकी बॉन्ड्स पर ब्याज दरें भी बढ़ीं, जिनसे वहां निवेश करने में ज्यादा फायदा नजर आने लगा। इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी तमाम तरह की नकारात्मक चर्चाएँ चलीं। तो कहा जा रहा है कि निवेशक अब कहानी के बजाय कारोबार की ठोस संख्याओं (मुनाफा) को देख रहे हैं। यानी धारणा बनी है कि भारतीय स्टार्ट–अप्स ने उज्ज्वल भविष्य की कहानियां निवेशकों को बेची थीं, जिनमें अब निवेशकों का भरोसा घट गया है। यह दीगर है कि निवेशकों का अभी जो आकर्षण केंद्र है, वह भी फिलहाल रेत की जमीन पर ही टिका है। अंतरराष्ट्रीय वित्त क्षेत्र में एआई में हुए अनिर्यात्रित निवेश को बाजार का बबूला मानने वालों की तदाद तेजी से बढ़ रही है। अमेरिका में मुद्रास्फीति में इजाफे के साथ ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना मजबूत हुई है। उधर अमेरिका सरकार पर 40 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज चढ़ चुका है, इसलिए उसके बॉन्ड भी अब ऊंची ब्याज दर पर बिक रहे हैं। इससे बाजार में उपलब्ध नकदी के सिकुड़ने की आशंका है। कहा गया है कि हर बड़ा मार्केट बबल तब फटा, जब मुख्य कंपनियों के लिए उधार लेने की लागत (यानी ब्याज दर) तेजी से बढ़ी। यह सवाल चर्चा में है कि क्या एआई बूम का भी वही हाल होने जा रहा है? गौरतलब है कि चाहे स्टार्ट–अप बूम हो या एआई, दोनों की बुनियाद हवाई उम्मीदें रही हैं। ऐसी कथाओं का अक्सर निराशाजनक अंत होता है।

राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। वन लाभ के नए सोर्स नजर आ सकते हैं। आपको परिवारे के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे आपको भविष्य में बड़े फायदे होंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। त्वर्य के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। ठुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ दिनर करने का प्रोग्राम बन सकता है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा जिससे कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। किसी योजना को शुरू करने के लिए आज का दिन अच्छा है, भविष्य में आपको काफी लाभ मिलेगा। घर के बड़े बुजुर्गों का आलीशान आपको मिलेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आप खुद को एनेर्गेटिक महसूस करेंगे। संयम बनाकर काम करने से.. आपके बिगड़ते काम भी बनेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन खास है, बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे, घर में खुशी का महील बना रहेगा। इस राशि के एग्रीकैल्चरल व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। छात्रों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनियर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके महत्वपूर्ण काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। साइंस से जुड़े बच्चों को अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। व्यापार के मामलों में साझेदार से विचार विमर्श करेंगे। प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों का समय अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के टैक्सट्राइल व्यापारियों को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। कुछ छिपे विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैलाने के लिए तैयार बैठे हैं। ऐसा कोई मौका ही न दें। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए डेली स्टूटिन में मेडिटेशन और योगा अपनाएं।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं, जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही हैं, उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का कोई गाना लोगों को काफी पसंद आएगा। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी। शाक का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा।

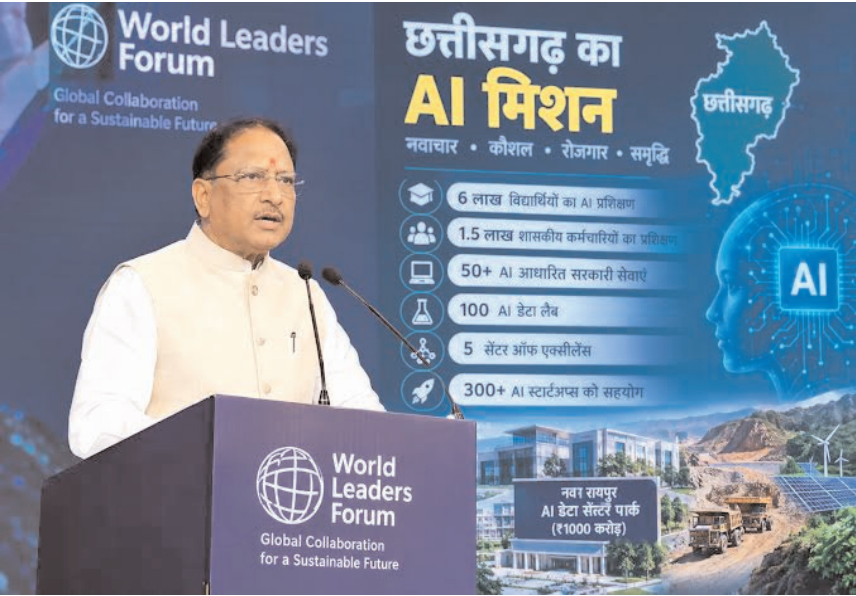
कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिएपॉन्स मिलेगा। परिवार में स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए ताजे फल खायें, फायदा मिलेगा। आपको किरानत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा।

एआई क्षेत्र में नई उड़ान भरने को तैयार छत्तीसगढ़

धनंजय रावौर

दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में छत्तीसगढ़ भी अब एक नई छलांग लगाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एआई को विकास, रोजगार और सुशासन के नए अवसरों से जोड़ने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। खेती–किसानी से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासन तक हर क्षेत्र में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग से रोजगार और नवाचार के नए अवसर सुजित करते हुए हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं। 500 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री एआई मिशन भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 500 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री एआई मिशन की शुरुआत की है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल एआई तकनीक अपनाने वाला राज्य नहीं, बल्कि इसके उपयोग और नवाचार में सिरमौर बनाना है। इस मिशन के तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे। योजना के अंतर्गत लगभग 6 लाख विद्यार्थियों और डेढ़ लाख शासकीय अधिकारी–कर्मचारियों को एआई के उपयोग से जोड़ा जाएगा। साथ ही, शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर (नौकरी तलाशने वाला) की बजाय जॉब क्रिएटर (नौकरी पैदा करने वाला) बनाने के लिए मशीन लर्निंग और डेटा साइंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कृषि, स्वास्थ्य और प्रशासन में एआई का प्रयोग इस मिशन का दायरा केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर आम जनता के जीवन को



आसान बनाने के लिए उतारा जा रहा है। कृषि मौसम, फसल, कीट और रोगों के आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को समय पर सटीक सलाह मिल सकेगी। एआई आधारित तकनीक से जांच, रोग पहचान और स्वास्थ्य संसाधनों के प्रबंधन में सुधार होगा। सुशासन एवं उद्योग सरकारी पोर्टलों (जैसे सेवा सेतु) के विस्तार और एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाओं को सुगम बनाया जा रहा है। वहीं उद्योगों में उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी। कारखानों में रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग के उपयोग से उत्पादन की गति बढ़ती है और त्रुटियाँ कम होती हैं। एआई सेंसर मशीनों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हैं और खराबी आने से पहले ही चेतावनी दे देते हैं, जिससे लागत बचती है। उद्योगों में व्यक्तिगत प्रार्थमिकताओं को समझने और 24x7 सहायता प्रदान करने के लिए एआई संचालित टूल का उपयोग किया जाता है। नवा रायपुर बन रहा तकनीक और एआई का नया हब नवा रायपुर को आईटी, एआई और डाटा सेंटर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ लगभग 1 हजार करोड़ रुपये के निवेश से एआई आधारित डाटा सेंटर और एआई एसइंजेड विकसित किया जा

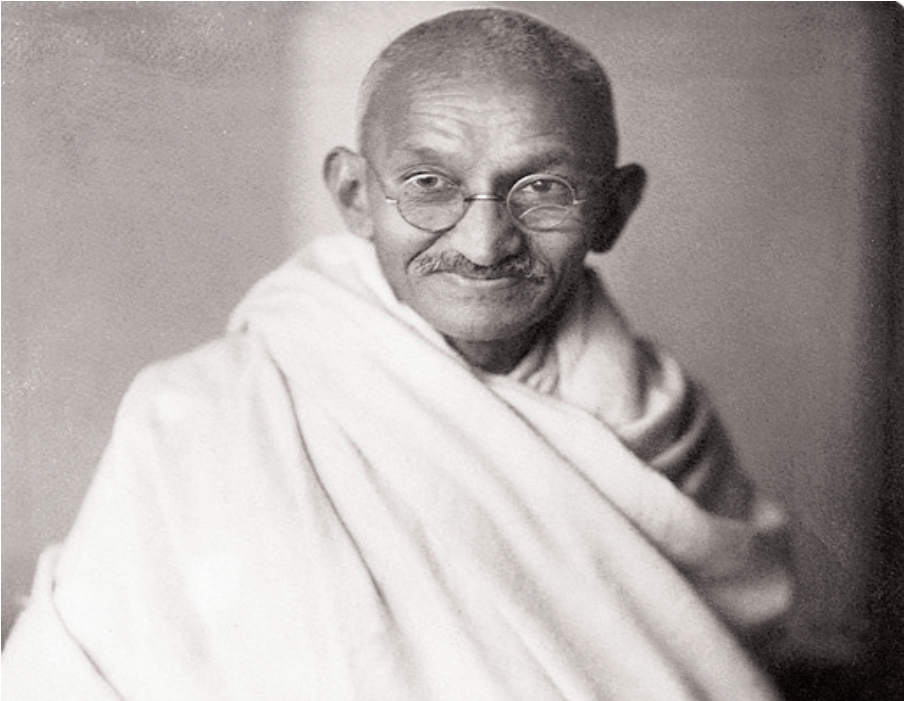
रहा है। इसके अलावा, नवा रायपुर में नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना का निर्णय लिया गया है। एनआईटी रायपुर और ट्रिपल आईटी नवा रायपुर में एआई सेंटर ऑफ़ एक्सलेंस के माध्यम से खनन, इस्पात, स्वास्थ्य, कृषि और स्मार्ट गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। नवा रायपुर में देश का पहला एआई आधारित डेटा सेंटर नवा रायपुर अटल नगर में देश का पहला एआई आधारित डेटा सेंटर सेक्टर-22 में 13.5 एकड़ में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट न केवल प्रदेश की पहचान को नई ऊंचाई देगा, बल्कि आम जनता के लिए भी बड़े बदलाव लेकर आएगा। प्रदेश के युवाओं को बेहतर करियर के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही एआई तकनीक का फायदा किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी मिलेगा। डिजिटल सेवाएँ मजबूत होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ दूरदराज के क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेगा। लेखक सयुक्त संचालक, जनसंपर्क हैं।

गांधी जयंती पर विशेष

गांधी-प्रश्न : हम कहां खड़े हैं ?

गिरिश्वर मिश्र

महात्मा गांधी का स्मरण एक कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा राष्ट्रपिता को सम्मान देने मात्र की बात ही नहीं बल्कि आज के बर्बर होते समय की खास मानवीय जरूरत है। चीजों की अनुपस्थिति या अभाव भी उस चीज के ज्ञान का कारण बनता है। आज के दौर में जब धैर्य, सत्य, अहिंसा, करुणा, भाई–चारा, सहयोग, पारस्परिकता और विश्वास जैसे शब्द दैनिक जीवन में प्रयोग के हिसाब से बाहर होते जा रहे हैं तो उनकी जरूरत भी शिदत से महसूस हो रही है। ऐसे क्षणों में गांधी प्रासंगिक हो उठते हैं। उनका जीवन मानवीय चेतना के रूपांतरण की एक असाधारण कोशिश के रूप में सभ्य जगत के आधुनिक इतिहास में दर्ज मिसाल बन गया है। भारत के सच्चे प्रतिनिधि के रूप उनका कर्मठ जीवन और चिंतन आज भी प्रेरित करता है। दक्षिण अफ्रीका में हुए सत्य के उन्मेष और आत्म–साक्षात्कार के साथ गांधी जी के जीवन में सात्विक किस्म के संघर्ष की नींव पड़ी। इस संघर्ष का आधार था अपने देश–काल की चेतना की ओर एक प्रश्नाकुल दृष्टि से देख पाना। गांधी जी खुद से, अपने समाज से, औपनिवेशिक अंग्रेज सरकार से और प्रभुरूपी बैठी अंग्रेजी सभ्यता से लगातार प्रश्न पूछते रहे। वे सब कुछ जांचते–बूझते रहे और अपने लोकधर्मी विवेक से उठ रहे सवालों के जवाब तलाशने में लगे रहे, पर वे यहीं नहीं रुके।अपने वैचारिक मंथन से उपजे निष्कर्षों को व्यवहार और आचरण में उतारने की उनकी जिद थी। यह उनकी फितरत या आदत हो गई थी जिसे वे 'प्रयोग' कहते थे। अपने निजी जीवन में खान–पान, स्वास्थ्य और सैर–सपाटे आदि को लेकर भी वे प्रयोगशील बने रहे। उनके जीवन में प्रश्न उठाना और उनसे टकराने का सिलसिला लगातार चलता रहा। यह तत्कालीन नस्लवाद और साम्राज्यवाद से प्रश्न और टकराव ही था जिसने सुदूर दक्षिण अफ्रीका में आठ साल लंबे सत्याग्रह का रूप लिया। यह अपने किस्म की शायद विश्व का पहली अहिंसात्मक प्रतिरोध वाली लड़ाई रही होगी। अन्याय के प्रतिकार की इस नई लड़ाई में उन्होंने जन–चेतना जगाने के लिए कई तरह की पहल की। उन्होंने बहुभाषी अखबार निकाला और संवाद की राह बनाई। सामाजिक चेतना जगाने के कई कार्य किए । उनका हिन्द स्वराज इस तरह की प्रखर टकराहट का दस्तावेज बन गया। यह उनका हृदय–संवाद था । इस पुस्तक में उन्होंने अपनी मातृभाषा में धुंधलके को साफ कर रहे थे क्योंकि दृष्टि तो स्पष्ट होनी ही चाहिए। यह अकारण नहीं है कि 'हिन्द स्वराज' का गठन प्रश्नों और उनके उत्तर के रूप में रचा गया है। इसे कृष्ण और अर्जुन के संवाद की तरह संवाद–



शृंखला भी कहा जा सकता है।स्मरणीय है कि तब दुनिया में पश्चिम की सभ्यता का निष्कंटक वर्चस्व स्थापित था। गांधी जी ने निर्भयता के साथ उसकी परीक्षा सर्वजनी मानवीय धरातल पर की और बड़े कड़े शब्दों उसकी सीमाओं को बड़े स्पष्टता से उजागर किया। उनके अपने अवलोकन में आधारभूत जरूरतों और आत्मिक विकास की दृष्टि से पश्चिमी सभ्यता केवल अधूरी ही नहीं थी, वह जीवन और जगत की विरोधी भी दिखी। दक्षिण अफ्रीका के लंबे प्रवास में भारत लौटने के बाद गांधी जी ने सक्रिय राजनीति में भाग लिया और शेष कथा से हम सब परिचित हैं। उनकी चिंता में समग्र भारत रहता था। उन्होंने भारत के आर्थिक विकास का प्रश्न उठाया और अपने सोच–विचार के आधार पर भविष्य का एक नक्शा बनाया। इस सोच में 'ग्राम स्वराज' तथा 'चरखा' और 'ख़ादी' द्वारा जन भागीदारी के साथ आर्थिक बदलाव लाने पर बल दिया गया। वह प्रश्न उठाते हैं कि सामर्थ्य का लोकतंत्रीकरण कैसे हो ? इसके लिए वे एक विकेंद्रीकरण की ओर उन्मुख व्यवस्था का उद्घोष कर रहे थे। इसी तरह 'बुनियादी तालीम' भी समग्र–शिक्षा के प्रश्न का उत्तर था। वह ऐसी शिक्षा चाहते थे जो मन, बुद्धि, शरीर और आत्मा सबका भलीभांति ख्याल रख सके। कहा जा सकता है कि गांधी जी की 'रचनात्मक–कार्यक्रम' की अवधारणा देश की सारी जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर उसके बहुमुखी कल्याण के प्रश्न का उत्तर थी। उद्युक्त लोग नवाचारों में गांधी जी देश में स्थित हो कर देश को देश की नजर से देखने की कोशिश कर रहे थे । वे अग्रगामी चिंतक थे। जीवन के अंतिम क्षणों में भी वे

देश के भविष्य के प्रश्न से उलझते रहे। अपने देहावसान के चार घंटे पहले जो अंतिम वसीयत उन्होंने लिखाई उसमें कांग्रेस को भंग कर 'लोक सेवक संघ' बनाने को कहा । वह राजनैतिक लड़ाई जिसमें अंग्रेजों को उनके राज से बेदखल कर भारत से बाहर करने का उद्देश्य था स्वराज की लड़ाई का सिर्फ एक अंश था । सामाजिक, नैतिक और आर्थिक मोर्चों पर लड़ाई बाकी थी और स्वतंत्रता की हथियार बना कर वह उसे लड़ाई को जारी रखना चाहते थे। गांधी जी ने भारत के लिए ऋस्वराज का स्वप्न देखा जिसमें देश में स्वत्व की प्रतिष्ठा थी। वह देश में सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आत्मिक स्वायत्तता को भी मौजूद देखना चाहते थे । गांधी जी का सारे संघर्ष और प्रयास प्रश्नों के ताने–बाने के साथ गुंथे गए थे। गांधी जी के आगे के सामाजिक जीवन का एजेंडा 'हिन्द स्वराज' या भारतीय स्व शासन की मूल अवधारणा के इर्द–गिर्द ही घूमता रहा। तीस साल बाद जब उन्नीसवीं अड़तीस में हिन्द स्वराज का नया संस्करण आने को था तो पूछे जाने पर उन्होंने यही कहा कि इसमें किसी तरह के खास बदलाव की जरूरत नहीं है। महात्मा जी को इस बात का सदा अहसास रहता था कि वह कहाँ खड़े हैं और इस देश काल का परिदृश्य बड़ा व्यापक था। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में जीवन जीते हुए उन्होंने मानव–सत्य के अच्छे बुरे विविध रूपों का गहनता से साक्षात्कार किया था । 'सत्य' और 'अहिंसा' के यथार्थ और उनमें निहित शक्ति को भारत के मौलिक चिंतन के अध्ययन से स्वयं उपाजित किया था। वे बाइबिल और कुरान से परिचित थे पर गीता, उपनिषद, रामायण और लोक–जीवन

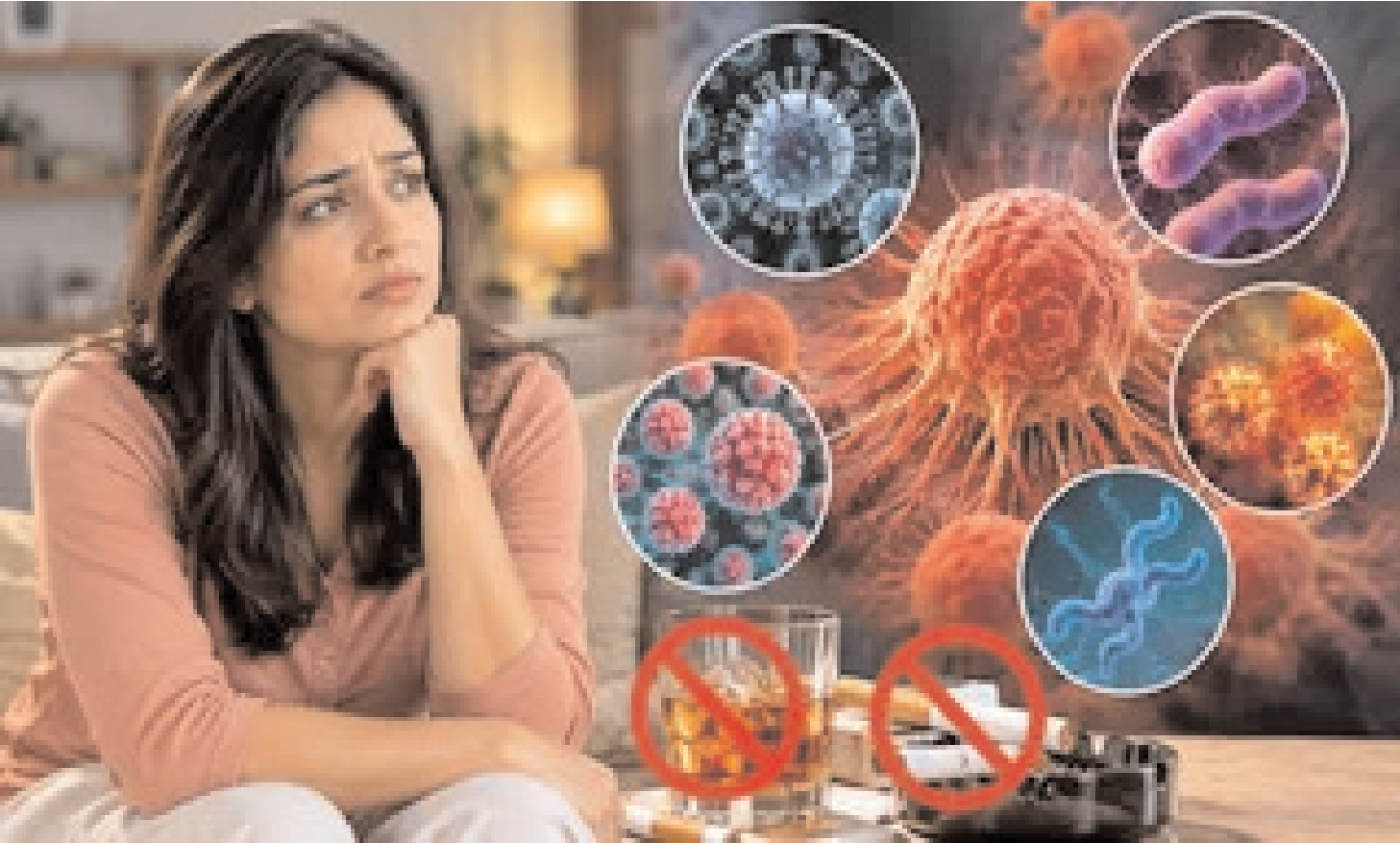
उनके प्रमुख विचार–श्रोत बने रहे । वस्तुतः विचारों की विविधता को वह स्वाभाविक मानवीय परिघटना के रूप में ग्रहण करते थे और अपने आश्रम में पंद्रह धर्मों की प्रार्थनाओं का अध्ययन, पाठ और स्मरण का अभ्यास चलाया था। गांधी जी ने देश–काल की प्रवृत्तियों और आगामी परिवर्तनों को पहचानते हुए आगाह भी किया था। उन्होंने सात सामाजिक पापों का जिक्र किया था और उनसे बचने के लिए सावधान किया था = सिद्धांतविहीन राजनीति , श्रम किये बिना धन का अर्जन, नैतिकराहित व्यापार करना , चरित्र के सरोकार से मुक्त शिक्षा , विवेक से रहित सुख , मानवतारहित विज्ञान, और त्यागरहित पूजा । समकालीन जीवन में उठ रही त्रासदियों को देखते हुए इन पर विचार करना आवश्यक हो गया है। ये सभी पाप आज प्रश्न के रूप में चुनौती देते हुए हमारे साम्मुख उपस्थित हो रहे हैं। हमने उन्नति और प्रगति की जो राह चुनी, वह हमें दूसरी दिशा में लेती गई। गांधी जी ने अपने आचरण में आत्म–निर्यण, आत्म–सम्मान, नैतिक विकास, आत्म–निर्भरता और आत्म–बल के कई सफल प्रयोग प्रदर्शित करते रहे। विचारों को कर्म में उतारना उनका बड़ा सरोकार था और इसके लिए उन्हें निजी जीवन में कष्ट भी सहना पड़ा था। देश के स्वतंत्रता के नायक के रूप में गांधी जी को आदर देते हुए हम सड़कों के नामों में, नोटों और सिक्कों में और संस्थाओं के नामों में कैद कर सुरक्षित रखने की कोशिश की। यह सब करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से अपने कर्तव्य की इतिश्री मान ली गई । इस क्रम में स्मारकों के बीच बस्ते बसेतों गांधी जी धीरे–धीरे जीवन और आचरण से ओझल बाहर की वस्तु का आकार पाते गए। गांधी का विचार और कर्म जीवंत और चेतन से जड़वत बनाए जाते रहे। आज की भयावह बबरता हमें उनके बताए रास्ते से भटकने की कहानी सुनाती है। आज जब लोभासक्त उपभोगमय जीवन की दुर्दांत स्थिति से सारी दुनिया छटपटाती हुई कराह रही है तो जरूरी हो रहा है कि हम अपने भ्रमों को तोड़ने की हिम्मत करें । महात्मा गांधी इसके लिए आंख खोलने वाले गुरु सरीखे हैं । जरूरी है कि हम उनकी दीक्षा को न केवल दुहराते रहें बल्कि जीवन और व्यवहार में भी उतारें =स्वदेशी बनेंगे, सत्य बोलेंगे, अहिंसा को अपनायेंगे, अपरिग्रह की राह पर चलेंगे, और अंतिम जन को नहीं भूलेंगे। मरीचिका वाली विकास यात्रा से हमें 'यू टर्न' भी क्यों न लेना पड़े आज जरूरी हो रहा है कि कम से कम एक गांधी–दृष्टि वाले जीवन का न्यूनतम कार्यक्रम व्यक्ति और संस्था के स्तर पर बना कर अपनाया जाए। आज विश्व में भारत के पर्याय बन चुके गांधी को हमारी स्मृति के अतिरिक्त भार की जगह भारतीय जीवन में प्रतिष्ठित करने की जरूरत है। (लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हैं।)



इन्फेक्शन को हल्के में लेने की न करें भूल

जब हम कैंसर के कारणों के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले तंबाकू, शराब, खराब लाइफस्टाइल या खानदानी बीमारियों का ख्याल आता है। हालाँकि, क्या आपने कभी सोचा है कि एक साधारण सा वायरस या बैक्टीरिया भी आपको कैंसर का शिकार बना सकता है? इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) ने अपनी हालिया रिसर्च में पाया है कि साल 2024 में दुनिया भर में 23 लाख नए कैंसर के मरीज सिर्फ इन्फेक्शन की वजह से सामने आए। आसान भाषा में समझें तो दुनिया के कुल कैंसर मामलों में से 12 प्रतिशत के पीछे सीधे तौर पर इन्फेक्शन का हाथ था। ये 5 खतरनाक वायरस और बैक्टीरिया बन रहे हैं जानलेवा रिसर्चर्स ने 12 ऐसे संक्रामक तत्वों की जांच की, जो इंसानों में कैंसर पैदा कर सकते हैं। हालाँकि, इनमें से 5 नाम ऐसे हैं जिन्होंने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है :

- एच. पाइलोरी
- यह बैक्टीरिया पेट में पाया जाता है और सबसे बड़ा खतरा है। इसकी वजह से लगभग 7,60,000 कैंसर के मामले सामने आए।
- एचपीवी : यह वायरस सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण है। इसके अलावा यह प्राइवेट पार्ट्स और सिर-गर्दन के कैंसर से भी जुड़ा है। इस वायरस ने करीब 7,50,000 लोगों को कैंसर का शिकार बनाया।
- हेपेटाइटिस बी : मुख्य रूप से लिवर कैंसर का कारण बनने वाले इस वायरस से लगभग 3,60,000 मामले जुड़े पाए गए।
- एपस्टीन-बार वायरस : पेट और गले के आसपास के कैंसर के साथ-साथ कुछ खास लिंफोमा पैदा करने वाले इस वायरस के कारण 2,60,000 मामले दर्ज हुए।
- हेपेटाइटिस सी : इस वायरस ने लगभग 1,60,000 लोगों को अपना शिकार बनाया, जिसमें सबसे ज्यादा



मामले लिवर कैंसर के थे।

शरीर में इन्फेक्शन कैंसर कैसे बन जाता है?

यहां एक बात समझना बहुत जरूरी है कि हर इन्फेक्शन कैंसर में नहीं बदलता। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इन्फेक्शन शरीर में कितने समय से है और

आपका इम्यून सिस्टम कैसा है। जब कोई इन्फेक्शन शरीर में लंबे समय तक टिका रहता है, तो वह हमारी कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगता है। इससे शरीर के

अंदर लगातार सूजन बनी रहती है। यही पुरानी सूजन धीरे-धीरे कोशिकाओं में ऐसे बदलाव करती है जो आगे चलकर कैंसर का रूप ले लेते हैं। जैसे- हेपेटाइटिस लिवर को नुकसान पहुंचाता है, और एच. पाइलोरी पेट में लगातार सूजन पैदा करके कैंसर को न्यौता देता है।

गरीब और विकासशील देशों पर मंडराता बड़ा खतरा

IARC की वैज्ञानिक डॉ. हेरिएट रूमगे ने एक चिंताजनक बात भी बताई। उन्होंने कहा कि इन्फेक्शन से होने वाले इन कैंसर का 77 प्रतिशत बोझ कम और मध्यम आय वाले देशों पर है। इसका सीधा कारण यह है कि इन देशों में अभी भी समय पर जांच, टीकाकरण और इलाज की सुविधाओं में काफी कमी है।

क्या है बचाव का रास्ता?

- अच्छी खबर यह है कि इन इन्फेक्शन और इनसे होने वाले कैंसर को सही समय पर रोका जा सकता है।
 - वैक्सीन है असरदार : एचपीवी और हेपेटाइटिस बी दोनों के लिए बेहद प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध हैं, जो सर्वाइकल और लिवर कैंसर से बचा सकती हैं।
 - सही इलाज : हेपेटाइटिस सी के लिए भले ही कोई वैक्सीन नहीं है, लेकिन बेहतरीन एंटीवायरल दवाइयों से इस इन्फेक्शन को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।
 - नियमित स्क्रीनिंग : समय-समय पर जांच कराने से कोशिकाओं के कैंसर में बदलने से पहले ही खतरे को पहचाना और खत्म किया जा सकता है।
- कुल मिलाकर, अगर हम अपनी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं और इन्फेक्शन कंट्रोल पर ध्यान दें, तो कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी के इस बड़े हिस्से को आसानी से मात दी जा सकती है।

बढ़ते बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार बहुत जरूरी



बढ़ती उम्र में बच्चों को ऐसा भोजन चाहिए जो हल्का भी हो और पोषण से भरपूर भी। मूंगदाल एक ऐसा ही सुपरफूड है, जिसे आयुर्वेद में भी बहुत गुणकारी माना गया है। यह न सिर्फ आसानी से पच जाती है, बल्कि बच्चों के शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी देती है। यही कारण है कि बढ़ते बच्चों के लिए मूंगदाल किसी वरदान से कम नहीं मानी जाती तो आइए विस्तार से जानते हैं मूंगदाल के फायदों के बारे में

प्रोटीन से भरपूर

मूंगदाल में अच्छी मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है, जो बच्चों की मसल्स, रिक्तन और शरीर के विकास के लिए बहुत जरूरी होता है। बढ़ते बच्चों की ग्रोथ के लिए प्रोटीन सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक है, और मूंगदाल इसका सबसे हल्का और हेल्टी सोर्स है।

पचने में आसान

मूंगदाल अन्य दालों की तुलना में बहुत हल्की होती है और जल्दी पच जाती है। छोटे बच्चों या जिन बच्चों का पाचन तंत्र कमजोर होता है, उनके लिए मूंगदाल बहुत फायदेमंद रहती है। यह पेट में गैस, अपच और भारीपन की समस्या भी नहीं होने देती।

दिमाग के विकास में सहायक

मूंगदाल में आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम और विटामिन बी कॉम्प्लेक्स पाए जाते हैं, जो बच्चों के मस्तिष्क विकास और याददाश्त को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

हड्डियों और दांतों के लिए फायदेमंद

मूंगदाल में कैल्शियम, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम होते हैं, जो बच्चों की हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। बढ़ती उम्र में हड्डियों का मजबूत होना बहुत जरूरी होता है।

वजन संतुलित रखने में मददगार

मूंगदाल हेल्टी तरीके से वजन बढ़ाने में मदद करती है, खासकर उन बच्चों के लिए जो बहुत दुबले होते हैं। वहीं, जो बच्चे ज्यादा वजन की ओर बढ़ रहे होते हैं, उनके लिए मूंगदाल हल्का और कम फैट वाला भोजन है, जिससे वजन संतुलित रहता है।

कई तरह से बना सकते हैं मूंगदाल

बच्चों को मूंगदाल अलग-अलग तरीके से खिलाई जा सकती है, जैसे कि मूंगदाल खिचड़ी, मूंगदाल चूला, मूंगदाल सूप, मूंगदाल दाल, अंकुरित मूंग सलाद और मूंगदाल लड्डू। इस तरह बच्चे स्वाद के साथ पोषण भी ले लेते हैं।

इस्यूनिटी मजबूत बनाती है

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर मूंगदाल में जिंक और आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

स्क्रीन का बढ़ता जाल और हमारी सुस्त लाइफस्टाइल

आजकल कम उम्र में ही लोगों को दिल की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। हालाँकि, अगर आपसे कहा जाए कि सिर्फ अपनी एक रोजमर्रा की आदत को बदलकर आप अपने दिल को हमेशा के लिए सुरक्षित रख सकते हैं, तो वह आदत क्या होगी? हमारी सबसे बड़ी समस्या हमारी मौजूदा लाइफस्टाइल है। आज के दौर में लोग घंटों तक कुर्सियों पर बैठकर कंप्यूटर पर काम करते हैं या स्क्रीन्स से चिपके रहते हैं। इसके साथ ही, अनहेल्दी और प्रोसेस्ड खाना खाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इस सुस्त स्क्रीन का सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ रहा है, जिसकी वजह से कम उम्र के युवाओं में भी मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारियां घर कर रही हैं।

क्या है बचाव का मूल मंत्र?

डॉक्टर का कहना है कि भारतीयों को जो एक आदत सबसे पहले बदलनी चाहिए, वह है- एक्सरसाइज को अपनी रोज की जिंदगी का जरूरी हिस्सा न बनाना। जी हाँ, दिल की स्वस्थ रखने के लिए आपको घंटों जिम में भारी वजन उठाने की जरूरत नहीं है। दिनभर में मात्र 30 से 45 मिनट की शारीरिक गतिविधि आपके शरीर में एक बहुत बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला सकती है। आप इसके लिए अपनी पसंद का कोई भी आसान विकल्प चुन सकते हैं, जैसे कि पैदल चलना, साइकिल चलाना, स्विमिंग या फिर कोई भी ऐसा खेल जिसे खेलने में आपको मजा आता हो।

वजन घटाने का टूल नहीं, इसे दवा समझें

कसरत कितनी इंटेंस है, इससे कहीं ज्यादा जरूरी यह है कि आप उसे नियमित रूप से करते हैं या नहीं। ज्यादातर लोग एक्सरसाइज को सिर्फ वजन कम करने का एक जरिया मान लेते हैं। डॉक्टर की सलाह है कि इस नजरिए को पूरी तरह से बदलने की जरूरत है। एक्सरसाइज को केवल वजन घटाने तक सीमित न रखें, बल्कि इसे हार्ट डिजीज जैसी जानलेवा बीमारियों से बचने की %दवा% के रूप में अपनाएं।

फिट और हेल्दी रहने के लिए रोज एक्सरसाइज करना जरूरी



इसके लिए जरूरी नहीं कि आप रोज जिम ही जाएं। कुछ एक्सरसाइज बहुत आसानी से घर पर भी की जा सकती हैं और इनके लिए बहुत ज्यादा जगह की जरूरत भी नहीं पड़ती। सबसे अच्छी बात है कि ये एक्सरसाइज पूरे शरीर को एक्टिव रखती हैं और तेजी से कैलोरी बर्न करती हैं। इसलिए इन एक्सरसाइज को करने से पेट की चर्बी कम करने में भी मदद मिलती है। अगर आप रोज 20-30 मिनट भी इन एक्सरसाइज को करते हैं, तो कुछ ही समय में फर्क महसूस होने लगता है। आइए जानते हैं ऐसे ही एक्सरसाइज के बारे में।

पेट कम करेंगी ये एक्सरसाइज

- स्टैंडिंग क्रंच- इस एक्सरसाइज में सीधे खड़े होकर घुटने को ऊपर लाते हुए पेट को अंदर की तरफ टाइट करना होता है। इससे पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं

और बेली फैट कम होता है।

- साइड बेंड- सीधे खड़े होकर दाएं-बाएं झुकने से कमर और पेट के साइड वाले हिस्से की चर्बी कम होती है। यह कमर को शोप में लाने के लिए बहुत अच्छी एक्सरसाइज है।
- स्टैंडिंग ट्विस्ट- इसमें खड़े होकर शरीर को दाएं-बाएं ट्विस्ट किया जाता है। इससे पेट की चर्बी, कमर की चर्बी और बैक फैट कम करने में मदद मिलती है।
- हाई नौ मार्च- जगह पर खड़े होकर घुटनों को ऊपर-ऊपर उठाकर चलने जैसी एक्सरसाइज करें। इससे तेजी से कैलोरी बर्न होती है और पेट की चर्बी कम होती है।
- स्टैंडिंग साइड क्रंच- इसमें कोहनी और घुटने को साइड में मिलाया जाता है। यह एक्सरसाइज साइड बेली फैट कम करने

के लिए असरदार मानी जाती है।

- फ्रंट किक- सीधे खड़े होकर आगे की तरफ किक मारें। इससे लोअर बेली फैट कम करने में मदद मिलती है और पैरों की मसल्स भी मजबूत होती हैं।
- जंपिंग जैक- यह एक कार्डियो एक्सरसाइज है, जिसे खड़े होकर किया जाता है। इससे पूरे शरीर की एक्सरसाइज होती है और तेजी से फैट बर्न होता है। कुछ जरूरी टिप्स
- एक्सरसाइज सुबह खाली पेट करें तो ज्यादा फायदा मिलता है।
- हर एक्सरसाइज 30-40 सेकंड करें।
- रोज कम से कम 20 मिनट एक्सरसाइज करें।
- एक्सरसाइज के साथ मीठा और तला हुआ कम खाएं।
- गुनगुना पानी पीने की आदत डालें।

जूतों के तले में लगे खतरनाक बैक्टीरिया और केमिकल्स

जूतों के तले में लगे खतरनाक बैक्टीरिया और केमिकल्स, जूतों के साथ घर में आते हैं। जब आप कहीं बाहर से घर वापस लौटते हैं, तो अपने जूते बाहर उतारते हैं या घर में भी जूते पहनकर ही आते हैं? आप सोच रहे होंगे कि ये सवाल कितना बेतुका है, लेकिन असल में ये आपकी और आपके परिवार की सेहत के लिए काफी मायने रखता है। दरअसल, आप जब बाहर से आते हैं, तो अपने जूतों के साथ कई अनचाहे मेहमान भी आते हैं। जूतों में लगी मिट्टी से सिर्फ गंदगी नहीं फैलती, बल्कि इनमें बैक्टीरिया भी छिपे होते हैं, जो बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसलिए घर में घुसते समय जूतों को बाहर ही उतारना जरूरी है। आइए जानें इस बारे में और भी बातें। साल 2008 में हुई एक रिसर्च में पाया गया कि लगभग 80 प्रतिशत जूतों के निचले हिस्से में फीकल बैक्टीरिया यानी मल में पाए जाने वाले बैक्टीरिया पाए गए। ये बैक्टीरिया आमतौर पर पब्लिक टॉयलेट्स की फर्श से जूतों पर चिपकते हैं और हमारे साथ घर तक आ जाते हैं। इसके अलावा, बाहर कुत्तों और पक्षियों की ड्रॉपिंग्स आदि में मौजूद बैक्टीरिया भी हमारे जूतों के तले में चिपक जाते हैं। अस्तपताल जैसी जगहों पर और भी ज्यादा जर्मस होते हैं। एक दूसरी रिसर्च में पाया गया कि 65ब डॉक्टरों के जूतों पर एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी एमआरएसए या एंट्रोकोकस फेकेलिस जैसे आंतों में पाए जाने वाले बैक्टीरिया पाए गए।

किस तरह के फर्श पर ज्यादा टिकते हैं बैक्टीरिया?



एक स्टडी में फुटपाथ के बारिश के पानी, जूतों के

तलों और यूनिवर्सिटी के फर्श के सैंपल लिए गए। इस

स्टडी में पाया गया कि छात्रों और शिक्षकों के जूतों के तले

में वही बैक्टीरिया मौजूद थे, जो बाहर फुटपाथ पर थे। इस वजह से यूनिवर्सिटी के अंदर का हिस्सा भी दूषित पाया गया, खासकर वो जगहें, जहां कार्पेट बिछे हुए थे। कार्पेट बिछी हुई जगहों पर बैक्टीरिया का संक्रमण सबसे ज्यादा था।

केमिकल्स भी आ रहे हैं घर

जूते बैक्टीरिया के साथ और भी कई हानिकारक चीजों को घर के अंदर लाते हैं। PFAS ऐसे केमिकल्स हैं, जो पर्यावरण और हमारे शरीर में सालों तक बने रहते हैं। इसलिए इन्हें फॉरएवर केमिकल भी कहा जाता है। ये भी जूतों के साथ घर में आते हैं। इसके अलावा, रिकनस्ट्रक्शन या मरम्मत के काम के दौरान उड़ने वाली लीड डस्ट भी जूतों में चिपक जाती है। खेतों और घर के बगीचों में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशक भी जूतों के साथ घर में आ जाते हैं।

घर के बाहर जूते उतारना जरूरी

साल 2023 के एक पोल के मुताबिक, लगभग 63ब अमेरिकी घर पहुंचते ही नियमित रूप से अपने जूते बाहर उतार देते हैं। वहीं, 24 प्रतिशत लोग अपने घर आने वाले मेहमानों से भी जूते बाहर उतारने का अनुरोध करते हैं। सेहत के लिहाज से घर के बाहर जूते उतारना समझदारी भरा कदम साबित हो सकता है।



नेपाल ने त्योहारों से पहले तातोपानी नाका खोलने की पहल तेज की, चीन कोरला नाका खोलने के पक्ष में

काठमांडू। नेपाल सरकार ने उत्तरी सीमा नाकों को फिर से खोलने की पहल तेज कर दी है। नेपाल ने आगामी त्योहारों से पहले तातोपानी नाका खोलने का प्रस्ताव चीन के सामने रखा है। हालांकि, अधिकारियों के अनुसार चीन कोरला नाका खोलने में रुचि दिखा रहा है और पहले वहां की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण करना चाहता है। फिलहाल उत्तर की ओर स्थित तातोपानी, रसुवागढ़ी और कोरला—तीनों प्रमुख व्यापारिक नाके बंद हैं। इसके कारण नेपाल-चीन जमीनी व्यापार पूरी तरह ठप है तथा आयात निर्यात भी प्रभावित है। पिछले सोमवार को विदेश मंत्रालय के सहसचिव रामकाजी खड्का के नेतृत्व में नेपाल स्थित चीनी दूतावास, सीमा शुल्क विभाग और सड़क विभाग के अधिकारियों ने सिंशुपालचोक स्थित तातोपानी नाका की



ओर जाने वाली सड़क का स्थलीय निरीक्षण किया। नेपाली अधिकारियों के अनुसार, यह निरीक्षण चीनी अधिकारियों के प्रस्ताव पर किया गया था। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि तातोपानी नाका की ओर

सड़क के जरिए चीनी सामान आयात करने में फिलहाल कोई बड़ी समस्या नहीं है। हालांकि, चीनी पक्ष ने कोरला की ओर जाने वाली सड़क का भी स्थलीय निरीक्षण करने का प्रस्ताव रखा है। विदेश मंत्रालय के एक

वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, चीन की ओर से कोरला को स्थायी सीमा नाका बनाने की बात कही जा रही है। चीनी पक्ष को कोरला क्षेत्र की सड़क की स्थिति का भी निरीक्षण करना है। इसके लिए जल्द ही वहां जाने की

तैयारी की जा रही है। अधिकारी के मुताबिक, आगामी रविवार या सोमवार तक चीनी अधिकारियों के साथ विदेश, वित्त और भौतिक पूर्वाधार विकास मंत्रालय के प्रतिनिधियों के मुस्तांग जाकर सड़क का निरीक्षण करने की तैयारी है। उत्तर की ओर सभी नाके बंद होने से नेपाल-चीन व्यापार लगभग ठप है। दशहरा और दिवाली छठ जैसे प्रमुख त्योहार नजदीक होने के कारण सरकार को चिंता है कि जरूरी सामानों का आयात प्रभावित होने से बाजार में कीमतें बढ़ सकती हैं। इसी वजह से सरकार सीमा नाकों को जल्द खोलने के लिए प्रयास कर रही है। चीन की ओर से कोरला नाके को स्थायी बनाने की इच्छा जताए जाने के बाद नेपाली अधिकारियों का कहना है कि मौसम के कारण कोरला नाका पूरे साल संचालित करना संभव नहीं है।

पाकिस्तान के लाहौर में 10 दिवसीय बसंत उत्सव 29 जनवरी से

लाहौर (पंजाब) पाकिस्तान, 1 पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने 10 दिवसीय बसंत उत्सव को मंजूरी प्रदान की है। यह उत्सव अगले साल 29 जनवरी से 7 फरवरी के मध्य



एक्स पोस्ट में कहा था कि लाहौर एक बार फिर रंग, संस्कृति, उत्सव, संगीत, ऊर्जा और शानदार मेहमाननवाजी से जीवंत हो उठेगा। पंजाब सरकार के पतंग उड़ाने पर लगी रोक हटाने के बाद लाहौर ने पिछली फरवरी में दो दशकों से अधिक समय बाद अपना पहला बसंत उत्सव मनाया था। सख्त नियमों के तहत आयोजित तीन दिवसीय उत्सव ने प्रांत की राजधानी में त्योहार का माहौल बना दिया था। सड़कों और गलियों में सजावट की गई थी। इस अवसर पर सरकार ने मुफ्त परिवहन सेवा की भी घोषणा की थी। वरिष्ठ प्रांतीय मंत्री मरियम औरंगजेब ने बसंत के सफल आयोजन को लाहौर और पाकिस्तान की जीत बताते हुए कहा था कि अगले साल और भी शानदार बसंत देखने को मिलेगा।



मोरक्को से अवैध रूप से स्पेन के सियूटा पहुंचे हुए प्रवासी एक कतार में खाने के लिए लगे हुए। इन लोगों के लिए रेड क्रॉस ने खाने की व्यवस्था की है।

फातिमा एज्जाहरा एल मंसूरी बनीं मोरक्को की पहली महिला प्रधानमंत्री

रबात, । मोरक्को के राजा मोहम्मद छह ने मंगलवार को फातिमा एज्जाहरा एल मंसूरी को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त किया। उनकी पार्टी ऑथेंटिसिटी एंड मॉडर्निटी पार्टी (पीएएम) ने 23 सितंबर को हुए संसदीय चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीती हैं। शाही महल ने इसकी जानकारी दी। राजा ने एल मंसूरी को नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। पेशे से वकील एल मंसूरी पिछली सरकार में आवास मंत्री और माराकेश की मेयर रह चुकी हैं। अब उन्हें गठबंधन सरकार बनाने के लिए विभिन्न दलों से बातचीत करनी होगी और मंत्रियों की सूची राजा की मंजूरी के लिए पेश करनी होगी। चुनाव में

पीएएम को 97 सीटें मिलीं। उसके बाद नेशनल रैली ऑफ इंडिपेंडेंस (आरएनआई) को 66 और इत्किलाल पार्टी को 65 सीटें मिलीं। पूर्व प्रधानमंत्री अब्देलिल्लाह बेनकिराने की जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी (पीजेडी) को 54 सीटें मिलीं। बेनकिराने ने कहा है कि उनकी पार्टी विपक्ष में रहेगी। एल मंसूरी के सामने नई सरकार के लिए गठबंधन तैयार करने के साथ युवाओं में बढ़ती असंतुष्टि से निपटने की चुनौती होगी। नई सरकार 2030 फुटबॉल विश्व कप की तैयारियों से जुड़े करीब 20 अरब डॉलर के निवेश कार्यक्रम के अंतिम चरण की भी निगरानी करेगी।

ईरान ने यूएई को नेतय्याह् के दौरै के खतरनाक नतीजों की चेतावनी दी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान ने अबूधाबी को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतय्याह् के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दौरे के नतीजों के बारे में चेतावनी दी है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का विदेश मंत्रालय बेंजामिन नेतय्याह् के संयुक्त अरब अमीरात दौरे की कड़ी निंदा करता है और इस क्षेत्र में कब्जा करने वाले शासन की मौजूदगी के बेहद खतरनाक नतीजों के बारे में चेतावनी देता है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने मध्य पूर्व के देशों से कहा कि वे अपनी ज़मीन का इस्तेमाल क्षेत्र के दूसरे देशों के खिलाफ अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियों के लिए न होने दें।

बलोचिस्तान में इमारत में विस्फोट, सेना के दो वाहनों पर हमला, पांच जवान मारे गए

क्रेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान के नसिराबाद जिले में एक शैक्षणिक संस्थान की निर्माणधीन इमारत को बम से उड़ा दिया गया । इसके अलावा कच्छी में सेना के दो वाहनों पर हुए हमले में पांच जवान मारे गए । बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने दावा किया है कि कलात और खुजदार में मुख्य हाइवे पर उसके लड़ाकों का नियंत्रण बरकरार है।

पाकिस्तान की सेना सीधा मुकाबला करने से शकरा रही है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ अज्ञात हथियारबंद लोगों ने नुतल थाना क्षेत्र में बलोचिस्तान रैजिडेंशियल कॉलेज की बन रही बिल्डिंग को बम विस्फोट कर उड़ा दिया। विस्फोट के समय में बिल्डिंग के भीतर कोई नहीं था। यह 2018 से बन रही थी। धमाके के बाद पाकिस्तानी सेना और पुलिस मौके पर पहुंची और

इलाके को घेर लिया। इस बीच बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स के प्रवक्ता डरिस्टन बलोच ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि मंगलवार सुबह लड़ाकों ने कच्छी इलाके के छेत्री इलाके के धादर और सनी रोड पर सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में पांच जवान मौके पर ही मारे गए और कई घायल हो गए। बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम बलूच ने कहा कि 28/29 सितंबर की रात करीमा आर्मड अर्साल्ट डिवीजन की महिला कमांडरों ने क्रेटा-कराची हाइवे पर कलात के दक्क गोरान इलाके में रात 12 बजे नाकाबंदी कर गुजर रहे वाहनों को तलाशी ली।

शाम पांच बजे नाकाबंदी हटा ली गई। पाकिस्तान की सेना ने इसका कोई विरोध नहीं किया। फ्रंट के लड़ाकों का कलात और खुजदार में मेन हाइवे पर नियंत्रण बरकरार है।

नेपाल में महाकाली नदी में बाढ़ से एशिया के लंबे पैदल झूलापुल का बड़ा हिस्सा बहा

काठमांडू। नेपाल में महाकाली नदी में बाढ़ के कारण कंचनपुर जिले की भीमदत्त नगरपालिका और दोधारा-चांदनी को जोड़ने वाले प्रसिद्ध झूलापुल का बड़ा हिस्सा बह गया। पुल क्षतिग्रस्त होने से दोधारा-चांदनी के लोगों का जिला मुख्यालय से सीधा पैदल संपर्क टूट गया है। बुधवार सुबह करीब 8 बजे महाकाली नदी की तेज धारा के कारण नदी के बीच स्थित पुल का एक महत्वपूर्ण सपोर्ट पिलर ढह गया। इसके बाद पुल का बड़ा हिस्सा नदी में गिरकर तेज बहाव में बह गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार, भीमदत्त नगरपालिका की ओर से छठे और दोधारा-चांदनी की ओर से तीसरे पिलर के आसपास नदी के तेज कटाव के कारण नींव कमजोर हो गई थी। इसके बाद पिलर नदी की धारा में बह गया और पुल का एक बड़ा स्पेन ढह गया। इस पुल को एशिया के सबसे लंबे मल्टी-स्पेन पैदल झूलापुलों में से एक माना जाता है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों के लिए आवागमन की बड़ी समस्या पैदा हो गई है। पुल के आसपास और नदी के संवेदनशील किनारों पर लगातार बाढ़ और कटाव के खतरे को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने हार्ड अलर्ट जारी किया है।

सक्षिप्त समाचार

भारत को नेपाल 86 मेगावाट बिजली बेचेगा, पावर एक्सचेंज के जरिए होगी बिक्री

काठमांडू। नेपाल विद्युत प्राधिकरण ने अगले बरसात के मौसम में भारत को 86 मेगावाट बिजली बेचने का फैसला किया है। देश में खपत के बाद बचने वाली अतिरिक्त बिजली को भारतीय विद्युत व्यापार कंपनी टाटा पावर ट्रेडिंज कंपनी लिमिटेड के माध्यम से भारत के पावर एक्सचेंज के जरिए भारतीय बिजली बाजार में बेचा जाएगा। प्राधिकरण के संचालक समिति सदस्य अंशुकिरण शाही ने बताया कि इस संबंध में विद्युत खरीद-बिक्री समझौते के मसौदे को मंजूरी देकर समझौता करने के लिए नियामक आयोग से परामर्श लेने का निर्णय किया गया था। विद्युत नियमन आयोग ने बैठक कर इस प्रस्ताव पर सहमति देने का फैसला किया । आयोग के निर्णय की जानकारी 8 भदौ को मिलने के बाद प्राधिकरण ने 3 असोज को बिजली बेचने का निर्णय करते हुए विद्युत खरीद-बिक्री समझौते के मसौदे को मंजूरी दी। प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक दीर्घायु कुमार श्रेष्ठ ने 1 नवंबर 2026 से 31 मई 2029 तक भारत के पावर एक्सचेंज के माध्यम से भारतीय बिजली बाजार में 85.6 मेगावाट बिजली बेचने के प्रस्ताव को सिफारिश की थी। भविष्य में दोनों पक्षों को आपसी सहमति से बिजली की मात्रा बढ़ाई भी जा सकती है। प्राधिकरण के संचालक समिति ने कार्यकारी निदेशक श्रेष्ठ की सिफारिश के अनुसार प्रस्ताव को मंजूरी दी है। संचालक समिति के अध्यक्ष एवं ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्री विजय भक्त श्रेष्ठ ने बिजली बिक्री संबंधी निर्णय पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने विद्युत खरीद-बिक्री समझौते पर प्राधिकरण की ओर से हस्ताक्षर करने के लिए कार्यकारी निदेशक श्रेष्ठ को अधिकृत भी किया है।

अमेरिका में मौत की सजा पाने वाली

महिला पर दो बार जानलेवा इंजेक्शन का

असर नहीं हुआ: रिपोर्ट

मॉस्को, । अमेरिका में मौत की सज़ा पाने वाली क्रिस्टा गेल पाइक पर दो बार जानलेवा इंजेक्शन का असर नहीं हुआ और उन्हें मारने की कोशिश नाकाम रही। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला को पेंटागॉनबिंटल की दो डोज दी गईं लेकिन आखिरी डोज दिए जाने के 40 मिनट बाद भी वह ज़िंदा थी। फॉक्स न्यूज़ ने पाइक के वकील के हवाले से बताया कि, गवाहों को उस जगह से हटा दिया गया जहाँ सज़ा दी जानी थी, जिसके बाद टेनेसी डिपार्टमेंट ऑफ़ करेक्शंस ने पुष्टि की कि पाइक ज़िंदा बच गई हैं। पाइक को 1995 में 19 साल की एक महिला की हत्या का दोषी ठहराया गया था। टेनेसी में वह 200 से ज्यादा सालों में मौत की सज़ा पाने वाली पहली महिला बनने वाली थीं। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना के बाद टेनेसी के गवर्नर बिल ली ने आदेश दिया कि साल के अंत तक मौत की सज़ा देने की प्रक्रिया रोक दी जाए। ली ने कहा, कानूनी तौर पर दी गई सज़ा को लागू करना राज्य की सबसे गंभीर ज़िम्मेदारियों में से एक है और टेनेसी के लोग उम्मीद करते हैं कि यह काम ऐसे तरीके से किया जाए जो न सिर्फ़ कानूनी और संवैधानिक हो बल्कि अस्वरदा भी हो। गैर-लाभकारी संस्था डेथ पेनल्टी इंफॉर्मेशन सेंटर की एंजीक्यूटिव डायरेक्टर रॉबिन माहैर ने इस घटना को अनोखी और बेमिसाल बताया। उन्होंने कहा कि अब तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि मौत को सज़ा के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जानलेवा दवा दिए जाने के बाद कोई बच गया हो। यह सज़ा नैशविल की रिवरवैड मैक्सिमम सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशन में बुधवार सुबह दी जानी थी लेकिन पाइक के बचपन में हुई हिंसा से जुड़े तर्कों पर विचार करने के लिए इसे शुरू होने से एक घंटे पहले रोक दिया गया। कुछ घंटों बाद, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने प्रॉसिच्यूटर की अपील पर रोक हटा दी, जिससे सज़ा को लागू करने की मंजूरी मिल गई।

नेपाल के प्रधानमंत्री के संभावित भारत दौरे को लेकर विदेश मंत्री ने बताया भरोसा, परिणाममुखी होगी

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह उचित समय पर भारत का दौरा करेंगे। हालांकि, अभीतक यात्रा की कोई औपचारिक तारीख तय नहीं हुई है। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेकर काठमांडू लौटने के बाद त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में खनाल ने कहा कि नई सरकार के गठन के तुरंत बाद भारत की ओर से प्रधानमंत्री शाह को औपचारिक रूप से भारत आने का निमंत्रण दिया गया था। खनाल ने कहा, हम शुरूआत से ही कह रहे हैं कि सरकार बनने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री को भारत का निमंत्रण मिला था और हमने इसे सकारात्मक रूप से लिया है। हम उचित अवसर पर परिणाममुखी यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। भारत दौरे की संभावित तारीख के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों की सहमति पर इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा, आज की तारीख में यह निश्चित नहीं है कि यात्रा कब होगी लेकिन दोनों पक्ष चाहते हैं कि यह यात्रा यथासंभव फलदायी और परिणाममुखी हो।

बांग्लादेश में सरकार ने दुर्गा पंडालों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए

ढाका (बांग्लादेश) । बांग्लादेश सरकार ने दुर्गा पंडालों की सुरक्षा के संबंध में दिशा- निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने संबंधित मंत्रालयों, प्रशासन और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे आने वाली दुर्गा पूजा का उत्सव शांतिपूर्ण, उत्साहपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए। अधिकारियों से यह भी कहा गया है कि वे सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रहें। अफवाहों को रोकें और किसी भी अग्रिय घटना की स्थिति में निष्पक्ष जांच के जरिए तुरंत कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यह दिशा- निर्देश मंगलवार सुबह धार्मिक मामलों के मंत्रालय में हुई अंतर-मंत्रालयी तैयारी बैठक में जारी किए गए। धार्मिक मामलों के राज्यमंत्री मोहम्मद शमीम कैसर ने बैठक की अध्यक्षता की। राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार हिंदू समुदाय के सबसे बड़े धार्मिक त्योहार, दुर्गा पूजा के लिए सुरक्षित और उत्साहपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पूजा कल्याण ट्रस्ट के माध्यम से देश भर के पूजा पंडालों को प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा आवंटित अनुदान का सही वितरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने पूजा पंडालों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सतर्क रहने और मूर्ति विसर्जन के दौरान उचित प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सामाजिक और धार्मिक सद्भाव बनाए रखने के लिए अज्ञान और जात्रा के समय जरूरी शांति बनाए रखने की पुरानी परंपरा को जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से दूसरे धर्मों के देवी-देवताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने से बचने का भी आग्रह किया।

राज्यमंत्री ने अधिकारियों को सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पुरानी या एडिट की गई तस्वीरों और वीडियो की तुरंत पुष्टि करने का भी निर्देश दिया। इस बैठक में प्रधानमंत्री के विशेष सहायक (राज्यमंत्री के दर्जे वाले) बिजोन कांति सरकार, धार्मिक मामलों के सचिव मुंशी अलाउद्दीन अल आजाद, विभिन्न मंत्रालयों और एजेंसियों के दूतों धर्मो के देवी-देवताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने से बचने का भी आग्रह किया।



विश्वकप जीतने का एहसास फिर से चाहता हूं : रोहित शर्मा



नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की नजरें 2027 में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप पर टिकी हैं। टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा आज रात 8:30 बजे से जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर की जाएगी। जियोस्टार से बातचीत में रोहित ने कहा कि उनकी अपनी इच्छा पर बात की। शुभमन गिल की कप्तानी के बारे में रोहित ने कहा कि गिल का क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है और कप्तान के तौर पर अभी उनके प्रदर्शन का आकलन करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, शुभमन गिल का क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है, इसमें कोई शक नहीं। वह करीब एक साल से

कप्तानी कर रहे हैं इसलिए इतनी जल्दी उनके कप्तान के रूप में आकलन करना उचित नहीं होगा। लेकिन मैंने उन्हें जितना देखा है, वह प्रभावशाली रहे हैं। वह जो चाहते हैं, उसे लेकर बहुत स्पष्ट हैं। कप्तान के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। अगर कप्तान स्पष्ट है तो उसके आसपास के खिलाड़ी भी स्पष्ट रहेंगे। शुभमन के साथ मुझे यही नजर आता है। वह जानता है कि उसे क्या चाहिए और सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। निश्चित तौर पर किसी भी कप्तान को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के समर्थन की जरूरत होती है। मुझे यकीन है कि मैं जिस भी तरह उसकी मदद कर सकता हूं, करूंगा। रोहित ने गिल को लगातार समर्थन देने की बात भी कही। उन्होंने कहा, शुभमन कप्तान

है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं उससे दूर रहूं या उससे कम बात करूं। जब से उसने पदार्पण किया है, हम एक ही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसा ही होना चाहिए और किसी भी वजह से इसमें बदलाव नहीं होना चाहिए। उसे टीम के भरोसे की जरूरत है और यह पता होना चाहिए कि सभी एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारा काम उसका समर्थन करना और टीम को आगे ले जाना है। 2027 वनडे विश्वकप जीतने के महत्व पर रोहित ने कहा, आगामी वनडे विश्वकप जीतना शानदार होगा, मैं बस इतना ही कहूंगा। मैं अभी इसे किसी पूर्ण चक्र या ऐसी किसी चीज के रूप में नहीं देखना चाहता। भारत के लिए विश्वकप जीतना एक विशेष एहसास है। टी20 प्रारूप में मैं इसका दो बार अनुभव कर चुका हूं। 2007 में मैं सिर्फ 20 साल का युवा था। निश्चित रूप से यह बड़ा टूर्नामेंट है और पहले ही साल विश्वकप जीतना शानदार था। फिर हमने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती और उसके बाद करीब 11 साल का लंबा दौर आया, जब हम कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत सके। इसलिए जब हमने 2024 में टी20 विश्वकप जीता, तब एहसास हुआ कि यह कितना महत्वपूर्ण था। वह एहसास आज भी काफी हद तक मेरे अंदर है। मैं जानता हूं कि विश्वकप जीतना कैसा लगता है। इसलिए मैं वह एहसास फिर से चाहता हूं।

एशियाई खेल : भारत ने 13वें दिन जीते 5 पदक, कुल 65 पदकों के साथ आठवें स्थान पर

नागोया। एशियाई खेल-2026 में भारत के पदक अभियान के लिए गुरुवार का दिन शानदार रहा। भारत ने आज दो रजत और तीन कांस्य समेत 5 पदक जीते। इसके साथ भारत कुल 65 पदकों के साथ तालिका में आठवें स्थान पर बना हुआ है। भारत के खाले में अब 10 स्वर्ण, 23 रजत और 32 कांस्य पदक हैं। भारत के लिए दिन का पहला पदक महिला स्कैश टीम ने जीता। अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना और जोशना चिनप्पा की टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसे कांस्य पदक मिला। पुरुष स्कैश टीम ने भी सेमीफाइनल में मलेशिया के खिलाफ 1-2 की हार के बाद कांस्य पदक अपने नाम किया। पुरुष टीम में अभय सिंह, वेलावन सेंथिलकुमार और वीर चोटरानी शामिल थे। नौकायन में पुरुष स्किफ स्पर्धा में प्राइस नोबल और मनु फ्रांसिस ने रजत पदक जीता। दोनों चीन के बाद दूसरे स्थान पर

रहे। तीरंदाजी में गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। कुश्ती में नितेश ने पुरुषों के 97 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक जीता। यह दिन का भारत का दूसरा रजत पदक रहा। इससे भारत के कुल रजत पदकों की संख्या 23 हो गई। पदक तालिका में चीन 152 स्वर्ण, 71 रजत और 62 कांस्य सहित कुल 285 पदकों के साथ शीर्ष पर है। जापान 58 स्वर्ण, 78 रजत और 79 कांस्य सहित 215 पदकों के साथ दूसरे, जबकि कोरिया गणराज्य 30 स्वर्ण, 30 रजत और 52 कांस्य सहित 112 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उज्बेकिस्तान 16 स्वर्ण, 21 रजत और 19 कांस्य सहित 56 पदकों के साथ चौथे और ईरान 12 स्वर्ण, 16 रजत तथा 13 कांस्य सहित 41 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है। भारत 10 स्वर्ण, 23 रजत और 32 कांस्य सहित 65 पदकों के साथ आठवें स्थान पर है।



टोक्यो में एशियाई खेलों में दक्षिण कोरिया की किम सूजी महिलाओं के रिप्रग बोर्ड फाइनल में डाइव लगाती हुई।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

पेशवा व्हीट ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। गेहूं से बने प्रोसेक्स की प्रोसेसिंग का कारोबार करने वाली कंपनी पेशवा व्हीट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने गिरावट के साथ लिस्ट होकर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 101 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएसई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 0.94 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 100.05 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस शेयर की कमजोरी और बढ़ने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये शेयर कुछ देर में ही 95.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 5.95 रुपये यानी 5.89 प्रतिशत का नुकसान हो गया। पेशवा व्हीट 53.52 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिसॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 177.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 36 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.69 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52,99,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए प्लांट का सेटअप करने, नई मशीनरी खरीदने, सिविल इंस्ट्रक्शन करने के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर करने, वॉर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अक्टूबर की शुरुआत होते ही घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में जारी गिरावट के सिलसिले पर ब्रेक लग गया है। महीने के पहले दिन शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। भाव में आए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 790 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। हालांकि चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,37,110 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,49,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

प्रीमियम लिस्टिंग के बाद फिसले ए-वन स्टील्स के शेयर, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। मेटर्कांक और सिलिकॉन मैंगनीज तथा फेरोसिलिकॉन जैसे इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी ए-वन स्टील्स इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत करने के बाद अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि, मुनाफा वसूली के दबाव के कारण निवेशकों की ये खुशी ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 405 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 14.07 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 462 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 12.35 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 455 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 470 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद



मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसके भाव में गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव में ये शेयर लाल निशान में 393.70 रुपये के स्तर तक गिर गया। बाजार में लगातार जारी

स्टॉक मार्केट में मनीट्यू की शानदार शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। अपने क्लायंट्स को मोबाइल प्लेटफॉर्म के जरिये डिजिटल फाइनेंशियल सर्विस देने वाली कंपनी मनीट्यू लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करने में सफलता हासिल की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 34 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 63.56 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 55.61 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 61.76 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 55 रुपये के स्तर पर हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की स्थिति में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 62 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट आ गई।बिकवाली के दबाव में ये

शेयर 50.25 रुपये के स्तर तक गिर गए। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद ये शेयर 54.03 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 20.03 रुपये यानी 58.91 प्रतिशत के जबरदस्त फायदे में रहे। इस कंपनी का 1,091.68 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिसॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 71.40 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 92.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 119.98 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

विमान ईंधन की कीमत 16 रुपये बढ़कर 137 रुपये प्रति लीटर, नई दरें लागू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कर्पनियों ने त्योहारी सीजन से पहले जेट प्यूल की कीमतों में इजाफा किया है। कर्पनियों ने विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन प्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 13.22 फीसदी की वृद्धि की है, एटीएफ की कीमत में लगातार तीसरे महीने बढ़ोतरी की गई है। ये नई दरें आज गुरुवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक विमान ईंधन की कीमत में करीब 16 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है, जो 121 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर अब 137 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

सर्व फोम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी फाइल किया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी रीबॉन्डेड पीयू फोम बनाने और एक्सपोर्ट करने वाली भांगाल की कंपनी सर्व फोम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के पास जमा मसौदा दस्तावेज के अनुसार सर्व फोम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 5 रुपये फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ में 5,400,000 तक इंडिटी शेयरों का एक फेश इश्यू और प्रमोटर मिस्टर कुणाल गियानी की ओर से

प्रीमियम लिस्टिंग के बाद फिसले ए-वन स्टील्स के शेयर, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। मेटर्कांक और सिलिकॉन मैंगनीज तथा फेरोसिलिकॉन जैसे इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी ए-वन स्टील्स इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत करने के बाद अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि, मुनाफा वसूली के दबाव के कारण निवेशकों की ये खुशी ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 405 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 14.07 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 462 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 12.35 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 455 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 470 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसके भाव में गिरावट आ गई।

मुरादाबाद मंडल के 10 मुक़ेबाज प्रदेश

स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दम दिखाएंगे

मुरादाबाद। झांसी में होने वाली प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन कर लिया गया है। गुरुवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद में आयोजित चयन ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न भार वर्गों में 10 खिलाड़ियों का चयनित किया गया। चयनित मुक़ेबाज तीन से छह अक्टूबर तक झांसी में होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे। ट्रायल में चयनित खिलाड़ियों में 47-50 किग्रा भार वर्ग में विनित, 50-55 किग्रा में उदयवीर, 55-60 किग्रा में सक्षम क्षेत्री, 60-65 किग्रा में कौशल, 65-70 किग्रा में अलीशान अल्वी, 70-75 किग्रा में दानिश आमिर, 75-80 किग्रा में अभिजीत चौधरी, 80-85 किग्रा में शाहनवाज, 85-90 किग्रा में श्याम मोहन का चयन हुआ है। 90 किग्रा से अधिक भारवर्ग में रवि कुमार शामिल हैं। वहीं टीम मैनेजर की जिम्मेदारी मोहम्मद जुनैद को सौंपी गई है। प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्रीय खेल कार्यालय झांसी से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न मंडलों की टीमों हिस्सा लेंगी। मुरादाबाद मंडल के चयनित मुक़ेबाज अलग-अलग भार वर्गों में अपनी चुनौती पेश करेंगे। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। 10 चयनित खिलाड़ी झांसी में होने वाली प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में मुरादाबाद मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एशियाई खेल 2026 : भारतीय पुरुष

स्कैश टीम ने जीता कांस्य पदक

नागोया। भारतीय पुरुष स्कैश टीम को गुरुवार को एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में मलेशिया के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं, भारतीय महिला टीम भी सेमीफाइनल में हांगकांग से 1-2 से हारकर कांस्य पदक ही जीत सकी। पुरुष वर्ग में भारत की ओर से अभय सिंह ने मलेशिया के ईन यो के खिलाफ पहला मुकाबला खेला। भारत को फाइनल में पहुंचकर हांगझोउ एशियाई खेलों में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने की उम्मीद थी, लेकिन 28 वर्षीय अभय को 0-3 (8-11, 8-11, 8-11) से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वीर चोटरानी ने संजय जीव के खिलाफ 3-0 (11-4, 11-8, 11-5) की शानदार जीत दर्ज कर भारत की वापसी कराई और मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक मुकाबले में वेलावन सेंथिलकुमार का सामना अमीशनराज चंदरन से हुआ। वेलावन ने पहला गेम 12-10 से जीता लेकिन इसके बाद वह लय बरकरार नहीं रख सके और 1-3 (12-10, 6-11, 8-11, 9-11) से हार गए। इस जीत के साथ मलेशिया ने फाइनल में जगह बना ली। इस हार के साथ भारत हांगझोउ एशियाई खेलों में जीता पुरुष टीम का स्वर्ण पदक बरकरार नहीं रख सका। हांगझोउ में आयोजित पिछले एशियाई खेल 2023 में खेले गए थे। इससे पहले भारतीय महिला टीम को भी सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार मिली। भारत की 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी सिन युचान के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत की। अनाहत ने चार मैच प्वाइंट गंवाए और पांच गेम तक चले मुकाबले में 2-3 (11-9, 11-8, 6-11, 11-13, 10-12) से हार गई। इसके बाद तन्वी खन्ना ने दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी का यी ली को 3-1 (4-11, 13-11, 11-9, 13-11) से हराकर भारत की उम्मीदें कायम रखीं। हालांकि, अनुभवी जोशना चिनप्पा निर्णायक मुकाबले में वापसी नहीं करा सकीं। पूर्व विश्व शीर्ष-10 खिलाड़ी जोशना को दुनिया की 39वें नंबर की खिलाड़ी हो चले लोक ने सीधे गेमों में हराया, जिससे हांगकांग ने मुकाबला 2-1 से अपने नाम कर फाइनल में प्रवेश किया।

संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की एकजुटता जरूरी : बिप्लव देब

मप्र भाजपा प्रभारी ने पार्टी के पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों की बैठक ली

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों और मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने,कार्यकर्ताओं के बीच संवाद और समन्वय बढ़ाने तथा सेवा संकल्प अभियान सहित आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर चर्चा हुई। बैठक को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल,राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी सांसद बिप्लव कुमार देब, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा तथा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि संगठन की सक्रियता का असर अब बूथ स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम में बूथ स्तर की सहभागिता में पिछले कुछ महीनों में वृद्धि हुई है। उन्होंने



कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत भी प्रदेश में कार्यकर्ता सक्रियता से काम कर रहे हैं और आगामी कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संगठन को अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने के लिए जिला, मंडल और बूथ स्तर पर नियमित बैठक, प्रवास और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद की व्यवस्था की गई है। प्रदेश पदाधिकारी जिलों

में पहुंचकर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा कर रहे हैं। मंडल अध्यक्षों को शक्ति केंद्रों और बूथ टोली के साथ नियमित बैठक करने तथा शक्ति केंद्र प्रभारी और बूथ टोली के बीच बेहतर समन्वय बनाने के निर्देश दिए गए हैं। भाजपा अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि जिला प्रभारियों को जिला कोर कमटी के साथ नियमित बैठक करने के निर्देश दिए गए हैं। इन बैठकों में सामने आने

वाले विषयों, सुझावों और संगठनात्मक जरूरतों को संभाग स्तर तक पहुंचाकर समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि नियमित बैठक, प्रवास, प्रशिक्षण और बूथ स्तर तक संपर्क के जरिए संगठनात्मक गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जाएगा। राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी बिप्लव कुमार देब ने कहा कि संगठन में किसी कार्यकर्ता को दायित्व मिलना या दायित्व से हटना सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से लगातार संवाद बनाए रखें और संगठनात्मक कारणों से किसी कार्यकर्ता में असंतोष की स्थिति नहीं बनने दें। उन्होंने कहा कि मंडल,जिला,संभाग,शक्ति केंद्र, बूथ और पत्रा प्रमुख तक संगठन में दायित्वों की स्पष्ट व्यवस्था है। प्रत्येक पदाधिकारी को अपनी जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पद स्थायी नहीं होता,लेकिन कार्यकाल के दौरान कार्यकर्ताओं के बीच बनाया गया विश्वास लंबे समय तक बना रहता है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजधानी भोपाल से प्रदेश को देंगे कई सौगातें



पशुपालक दीदियों के सम्मान के साथ विकास कार्यों का करेंगे शुभारंभ

भोपाल। ‘सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत केंद्रीय गृह मंत्री शाह आगामी 03 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के प्रवास पर भोपाल आएंगे। वे यहां भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित ‘राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन में शामिल होकर उत्कृष्ट कार्य करने वाली गोपालक दीदियों को सम्मानित करेंगे। साथ ही डॉ.भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के स्वीकृति पत्रों का वितरण करेंगे। इसके साथ ही वे प्रदेशवासियों को डेयरी प्रसंस्करण, दुग्ध संयंत्र और गुणवत्ता जांच प्रयोगशाला से जुड़ी विभिन्न विकास योजनाओं की सौगात देंगे। जनसम्पर्क अधिकारी सुनील वर्मा ने गुरुवार को बताया कि सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री शाह 255 करोड़ रुपये की लागत से उन्जैन में बनने

वाले नए डेयरी प्लांट का भूमिपूजन करेंगे। इसके अतिरिक्त, 16.80 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट और एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन भोपाल में ‘नेशनल प्रोग्राम फॉर डेयरी डेवलपमेंट के तहत 12.40 करोड़ रुपये की लागत से बनी अत्याधुनिक प्रयोगशाला एंव मिनी डेयरी संयंत्र शिवपुरी का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम में भोपाल और इंदौर दुग्ध संघ के दुग्ध उत्पादकों को लगभग 12 करोड़ रुपये की बोनस राशि वितरित की जाएगी तथा ‘कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा विशेष प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत एवं संचालित गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के रखरखाव एवं भरण-पोषण के लिए माह जुलाई और अगस्त 2026 की 101 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान राशि ऑनलाइन



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने निवास पर भेंट के बाद स्मृति चिन्ह भेंट किया ।

भजन गायक सुनील लोधी राजधानी भोपाल में आज बहाएंगे भक्तिरस की गंगा

मैंने तेरे ही भरते हनुमान’ फेम सुनील लोधी की

रवीन्द्र भवन में भजन संध्या

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को रवीन्द्र भवन में ‘एकै राम रहीम’ भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन की ओर से आयोजित कार्यक्रम शाम 6.30 बजे से शुरू होगा। इसमें युवा भजन गायक सुनील लोधी एवं दल भजनों की प्रस्तुति देंगे। सुनील लोधी ‘हनुमान अंश’ फिल्म के गीत ‘मैंने तेरे ही भरसे हनुमान, सागर में नैथ्या डार दई’ से खासे लोकप्रिय हुए हैं। कम समय में ही उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। बचपन से गायन में रुचि रखने वाले सुनील गांवों में होने वाले धार्मिक आयोजनों में भजन प्रस्तुत करते रहे हैं। ट्रेन में भजन गाकर भी उन्होंने लोगों की सराहना हासिल की। दृष्टिबाधित होने के बावजूद सुनील ने अपनी विशिष्ट आवाज और लोक गायन शैली के दम पर फिल्म मीडिया पर गहराचान बनाई। ‘हनुमान अंश’ फिल्म का भजन उनकी लोकप्रियता को प्रदेश के बाहर तक ले गया। अब गांधी-शास्त्री जयंती पर भोपाल के रवीन्द्र भवन में उनकी भजन प्रस्तुति होगी। मध्यप्रदेश के सागर जिले के अगारा गांव निवासी सुनील लोधी जन्म



से ही दृष्टिबाधित हैं। उन्होंने करीब नौ साल की उम्र में गांव के बुजुर्गों के साथ बैठकर तंबूरा बजाना सीखा। इसके बाद बुंदेली लोकगीत और भजन गाने का सिलसिला शुरू हो गया। सुनील ने बताया कि बचपन से ही उन्हें भगवान हनुमान में गहरी आस्था रही है और वह लगातार भजन गाते रहे हैं। सुनील के संगीत सफर में बड़ा बदलाव ‘मोरे संकट के कटैया हनुमान’ भजन से आया। उनके मामा रोहित साहू ने वर्ष 2019 से सुनील के गाए लोकगीतों और भजनों को रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डालना शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी आवाज लोगों तक पहुंचने लगी। ‘मोरे संकट के कटैया हनुमान’ भजन को सोशल मीडिया पर करोड़ों लोगों ने देखा और सुनील की पहचान बढ़ती चली गई। फिल्म हनुमान अंश के गीत ने सुनील को नई पहचान दी है।

भोपाल में टीईटी अनिवार्यता समेत तीन मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना

रीवा-शहडोल संभाग सहित प्रदेशभर के शिक्षक पहुंचे भोपाल के नीलम पार्क

भोपाल। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता सहित तीन मांगों को लेकर अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा का भोपाल के नीलम पार्क में अनिश्चितकालीन धरना पांचवें दिन भी जारी रहा। गुरुवार को रीवा और शहडोल संभाग के शिक्षक धरने में शामिल हुए। अलग-अलग संभागों के शिक्षकों की चरणबद्ध भागीदारी के साथ आंदोलन आगे बढ़ाया जा रहा है। मोर्चा ने 2 अक्टूबर, गांधी जयंती पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर उपवास-सत्याग्रह करने की घोषणा की है। शिक्षकों के अनुसार गांधी प्रतिमाओं के सामने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर संबंधित अधिकारियों को मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा। नीलम पार्क में भी शिक्षकों के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होकर मांगों को लेकर सरकार से संवाद की मांग कर रहे हैं। शिक्षक संगठनों की प्रमुख मांग सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की है। मोर्चा इसके लिए विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजने की मांग भी

कर रहा है। संगठनों का कहना है कि लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता पर सरकार को उनकी स्थिति पर विचार करना चाहिए। मोर्चा सदस्य एवं शिक्षक नेता उपेंद्र कौशल ने कहा कि 2 अक्टूबर का उपवास-सत्याग्रह लंबित मांगों को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से सरकार तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने प्रदेश के शिक्षकों से इसमें शामिल होने की अपील की। टीईटी की अनिवार्यता समाप्त हो- सेवारत शिक्षकों को टीईटीसे मुक्त करने की मांग। इसके लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजने की मांग भी रखी गई है। शिक्षकों की सेवा अवधि और वरिष्ठता की गणना प्रथम नियुक्ति की तारीख से करने की मांग है। मोर्चे का कहना है कि इससे संबंधित सेवा और सेवानिवृत्ति लाभों में भी इस्का असर पड़ेगा। शिक्षकों के विभागीय और अन्य शासकीय दायित्वों को देखते हुए ई-गवर्नेंस व्यवस्था को समाप्त अथवा स्वीकृष्ट करने की मांग की जा रही है। धरने के दौरान एक शिक्षक नेता ने मांगों पर निर्णय नहीं होने की स्थिति में आंदोलन को आगे बढ़ाने की बात कही।

गांधी जयंती से प्रदेशभर में मनाया जाएगा ‘मद्य निषेध सप्ताह’

जन-जागरूकता गतिविधियां,नशामुक्ति के लिए दिलाई जाएगी ऑनलाइन शपथ

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर मध्य प्रदेश में 2 से 8 अक्टूबर 2026 तक मद्य निषेध सप्ताह मनाया जाएगा। सप्ताह के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में नशामुक्ति रैली, नुकड़ नाटक, प्रदर्शनी, प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर,ग्राम सभाएं,सांस्कृतिक कार्यक्रम और ऑनलाइन शपथ सहित विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जनसंपर्क अधिकारी अनिल वशिष्ठ ने गुरुवार को बताया कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन शशक्तिकरण विभाग के आयुक्त के.जी. तिवारी ने सभी कलेक्टरों, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा विभागीय संयुक्त एवं उप संचालकों को सप्ताह के आयोजन के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। कार्यक्रमों में विभाग से मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाओं, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों,आध्यात्मिक संस्थाओं तथा नशामुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रहे संगठनों का सहयोग लिया जाएगा। मद्य निषेध सप्ताह का प्रमुख उद्देश्य समाज में बढ़ती मद्यपान की प्रवृत्ति तथा नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों एवं दुष्परिणामों के प्रति युवाओं, विद्यार्थियों और नागरिकों को जागरूक करना है। सप्ताह के दौरान स्कूलों और

महाविद्यालयों के विद्यार्थियों सहित विभिन्न वर्गों को नशा न करेंगे, न करने देंगे की शपथ भी दिलाई जाएगी। सप्ताह के पहले दिन महात्मा गांधी जयंती पर नशामुक्ति के लिए जन-जागरूकता रैलियां निकाली जाएंगी और नुक़ड़ नाटकों का मंचन किया जाएगा। नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देने के लिए नशामुक्ति पर आधारित पोस्टर, फोटो और चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएंगी। कार्यक्रमों में शामिल नागरिकों को नशा नहीं करने की ऑनलाइन शपथ दिलाई जाएगी। दूसरे दिन स्थानीय विद्यालयों और महाविद्यालयों में नशामुक्ति विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं, संवाद तथा संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आवासीय नशामुक्ति केंद्रों में नशा पीड़ितों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में नशा पीड़ितों की एचआईवी-एड्स, टीबी और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। जांच में पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों के समुचित उपचार को व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। तीसरे दिन ग्राम सभाओं में मांगों को नशामुक्त बनाने के संबंध में प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। पारित प्रस्तावों का पालन सुनिश्चित करने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में नशामुक्ति संबंधी साहित्य, पोस्टर, पेम्फलेट और अन्य प्रचार सामग्री का वितरण किया जाएगा।

राहुल सवाल पूछने के साथ ही अपने शासनकाल का हिसाब भी दें : खंडेलवाल

भोपाल। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बालाघाट दौरे को लेकर मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बालाघाट में स्वागत है। वे जनता से मिलें और उनकी समस्याएं सुनें, लेकिन सवाल पूछने के साथ कांग्रेस को अपने लंबे शासनकाल का हिसाब भी जनता के सामने रखना चाहिए। हेमंत खंडेलवाल ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि कांग्रेस आज आदिवासी क्षेत्रों में विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और बुनियादी सुविधाओं को लेकर सवाल उठा रही है। ऐसे में कांग्रेस को यह भी बताना चाहिए कि लंबे समय तक देश और प्रदेश की सत्ता में रहने के दौरान उसने आदिवासी अंचलों के विकास के लिए क्या

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बालाघाट दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने उठाए सवाल



कदम उठाए। उन्होंने कहा कि वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद इन क्षेत्रों में कई मूलभूत समस्याएं क्यों बनी रहीं, इसका जवाब भी कांग्रेस को देना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बालाघाट की जनता उस दौर को भी नहीं भूली है, जब क्षेत्र नक्सलवाद की चुनौती से जूझ रहा था। उन्होंने सत्ताकालीन मंत्री एवं कांग्रेस नेता लिखीराम कांवेर की नक्सलियों द्वारा की गई हत्या का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी को बताना चाहिए कि उस समय नक्सलवाद से निपटने के लिए कांग्रेस सरकार ने क्या कदम उठाए थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को प्रभावित परिवारों से मिलकर उनकी पीड़ा समझनी चाहिए। साथ ही जनता यह भी

जानना चाहती है कि कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद की चुनौती से निपटने के लिए क्या रणनीति अपनाई गई थी। हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से बालाघाट सहित नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ विकास कायों को भी गति दी गई है। दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचे के विस्तार पर सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद से निपटने के साथ प्रभावित क्षेत्रों में विकास को प्राथमिकता देना सरकार की नीति है। सुरक्षा और विकास के प्रयासों से इन क्षेत्रों में बदलाव का वातावरण

तैयार हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार सभी को है, लेकिन जनता सवाल पूछने वालों से भी जवाब चाहती है। राहुल गांधी बालाघाट आए, प्रभावित परिवारों और आमजन से मिलें, उनकी समस्याएं सुनें, लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद, आदिवासी विकास और बुनियादी सुविधाओं को लेकर किए गए कार्यों का जवाब भी जनता को दें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को यह बताना चाहिए कि कांग्रेस की सरकारों ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए क्या किया, नक्सलवाद से निपटने के लिए कौन से कदम उठाए और आज भाजपा सरकार द्वारा सुरक्षा के साथ विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को कांग्रेस किस नजरिए से देखती है।